दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 139
मुरादाबाद
(Wednesday)
10 September 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीपी राधाकृष्णन चुने गए भारत के नए उपराष्ट्रपति, सुदर्शन रेड्डी को हराया

पीएम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण, 1500 करोड़ रुपये देने का एलान

पीएम मोदी विशेष विमान से करीब 1:20 बजे गगल एयरपोर्ट पहुंचे। जहां उनका राज्यपाल, सीएम और नेता विपक्ष ने स्वागत किया। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले का हवाई सर्वे करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए 1500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता का एलान किया है। पीएम मोदी ने इस दौरान मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि और घायलों को 50-50 हजार रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर संवेदनाएं प्रकट कीं और उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कियाप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश में बाढ़ की स्थिति पर एक प्रेजेंटेशन देखी। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू भी उनके साथ थे।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश में बाढ़ से प्रभावित लोगों से बातचीत की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश में बाढ़ की स्थिति का आकलन करने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ कर्मियों के साथ बातचीत की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आपदा प्रभावितों से मुलाकात करेंगे। वहीं, मंडी आपदा में माता-पिता को खोने वाली एक साल की नितिका भी अपने रिश्तेदारों के संग एयरपोर्ट पहुंची हैं। प्रधानमंत्री मोदी की सीएम सुक्खू समेत अधिकारियों के साथ राज्य में हुए नुकसान पर समीक्षा बैठक शुरू हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गगल एयरपोर्ट पर पहुंच गए हैं। मुख्यमंत्री, राज्यपाल और नेता प्रतिपक्ष ने उनका स्वागत किया। पूरे एयरपोर्ट को एसपीजी और पुलिस ने घेर कर रखा हुआ है। थ्री टायर सिक्योरिटी है।प्रधानमंत्री के साथ बैठक के लिए राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू गगल हवाई अड्डा पहुंच गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डेढ़ बजे के करीब गगल एयरपोर्ट पर लैंड होंगे।मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश को भारी बारिश से 5,000 करोड़ का नुकसान हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से विशेष राहत पैकेज की मांग की जाएगी, ताकि आपदा प्रभावितों को समय पर राहत दी जा सके। प्रधानमंत्री के हिमाचल दौरे से बहुत आशाएं हैं। मंगलवार को पीएम जब स्थिति का जायजा लेंगे, तो उन्हें वास्तविक स्थिति का पता लगेगा। प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक के लिए मुख्यमंत्री सुक्खू मंगलवार सुबह शिमला से धर्मशाला रवाना होंगे। सोमवार को शिमला में सुक्खू ने कहा कि हिमाचल में आपदा से कई लोग भूमिहीन हुए हैं, ऐसे लोगों को मकान बनाने के लिए एक बीघा जमीन देने के लिए फॉरेस्ट राइट एक्ट में छूट देने का आग्रह किया जाएगा। इन सब मांगों को लेकर राज्य सरकार ने एक मेमोरेंडम भी तैयार किया है। मैदानी राज्यों के नियम हिल स्टेट पर लागू नहीं होने चाहिए। मैदानी इलाकों में एक किमी सड़क बनाने को 75 हजार मिलते हैं। हिमाचल में 75 हजार में 10 मीटर सड़क भी नहीं बनती। इन नियमों को भी बदलने की मांग की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक EVM-VVPAT के पारदर्शी मूल्यांकन के लिए तैयार, प्रियांक खड़गे ने चुनाव आयोग को फिर लिखा पत्र

कांग्रेस नेता और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने जोर देकर कहा कि जब चुनाव और संस्थाओं की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठ रहे हों, तब पारदर्शिता को बढ़ाने के लिए ऐसे कदम उठाना बेहद जरूरी है। कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा है कि राज्य सरकार ईवीएम और वीवीपैट की पूरी प्रक्रिया की पारदर्शी जांच कराने के लिए तैयार है। इसके लिए न्यायपालिका और उद्योग जगत की निगरानी में यह काम किया जाएगा। प्रियांक खरगे ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पत्र साझा किया, जो उन्होंने 6 सितंबर को चुनाव आयोग (ईसीआई) को भेजा था। इसमें उन्होंने याद दिलाया कि 3 दिसंबर 2024 को भी उन्होंने इसी मुद्दे पर आयोग को पत्र लिखा था।ईवीएम को लेकर उत्पन्न शंकाओं को दूर करने का सुझाव अपने पत्र में प्रियांक खरगे ने कहा कि ईवीएम के कामकाज और प्रक्रियाओं में कुछ खामियों को लेकर सवाल उठते रहे हैं। उन्होंने इन शंकाओं को दूर करने के लिए एक कोर्ट-निगरानी में नैतिक हैकाथॉन और ऑडिट कराने का सुझाव दिया है, जिसमें राज्य सरकार पूरा सहयोग करेगी। कर्नाटक में पारदर्शी जांच की जा सकती है- खरगे प्रियांक खरगे ने कहा, कर्नाटक में मजबूत तकनीकी और शोध संसाधन मौजूद हैं।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर होगी नमो वन और नमो पार्क की स्थापना... सीएम योगी ने की तैयारियों की समीक्षा

पीएम मोदी के जन्मदिन पर यूपी में नमो वन और नमो पार्क की स्थापना होगी। सीएम योगी ने तैयारियों की समीक्षा करके अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

राजधानी लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक प्रस्तावित सेवा पखवाड़े की तैयारियों की समीक्षा की।

इस दौरान सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से प्रारंभ होने वाले सेवा पखवाड़ा में नमो वन और नमो पार्क की स्थापना भी की जाएयह आयोजन प्रधानमंत्री, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के व्यक्तित्व, कृतित्व और जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेकर समाज के गरीब, वंचित और शोषित वर्गों की सेवा का सुअवसर है। सीएम ने आगे कहा कि सेवा पखवाड़े का शुभारंभ 17 सितंबर को पीएम मोदी के जन्मदिन पर होगा।

निर्देश दिया कि इस दौरान स्वच्छता अभियान, पौधरोपण, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, प्रबुद्ध वर्ग संवाद, वोकल फॉर लोकल के तहत मेले-प्रदर्शनी, युवाओं के बीच खेलकूद व चित्रकला प्रतियोगिताएं, मैराथन और प्रधानमंत्री के जीवन पर प्रदर्शनी जैसे विविध कार्यक्रम सभी जिलों में आयोजन करें।

इनमें जनभागीदारी के साथ सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि तथा पार्टी पदाधिकारी सेवा भाव से सक्रिय रूप से शामिल हों। उन्होंने प्रत्येक आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और उनकी रिपोर्ट समयबद्ध तरीके से नमो ऐप और सरल पोर्टल पर अपलोड करने को कहा।

पीएम ओली ने दिया इस्तीफा; राष्ट्रपति-PM के घर में आगजनी; काठमांडू से हवाई सेवा बंद

नेपाल में हिंसक प्रदर्शन के बीच पीएम केपी शर्मा ओली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे एक दिन पहले युवाओं के हिंसक विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोलीबारी में करीब 20 लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे।नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने इस्तीफे का पत्र राष्ट्रपति को सौंप दिया है। बता दें कि जनरेशन जेड के उग्र प्रदर्शन के बीच पीएम ओली ने इस्तीफा दिया है।नेपाल की राजधानी काठमांडू में एक प्रदर्शनकारी ने कहा, %हम बहुत खुश हैं कि नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया है।%नेपाल की राजधानी में मौजूदा हालात को देखते हुए चौथे काठमांडू कलिंग साहित्य महोत्सव को स्थगित कर दिया गया है, आयोजकों ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। सोमवार को सोशल मीडिया साइटों पर सरकारी प्रतिबंध के खिलाफ काठमांडू और कुछ अन्य स्थानों पर युवाओं द्वारा किए गए हिंसक विरोध प्रदर्शनों में कम से कम 19 लोग मारे गए और 300 से ज़्यादा घायल हो गए। आयोजकों ने बताया कि यह कार्यक्रम 13 और 14 सितंबर को काठमांडू में होना था। उन्होंने बताया कि बानू मुश्ताक, दीपा भाष्थी और बासुदेव त्रिपाठी सहित 60 से ज़्यादा भारतीय और 200 नेपाली लेखक इस महोत्सव में शामिल होने वाले थे। कलिंग साहित्य महोत्सव की निदेशक रश्मि रंजन परिदा ने कहा कि यह आयोजन अब 14 और 15 फरवरी, 2026 को होगा। भुवनेश्वर स्थित आयोजकों द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि सोशल मीडिया साइटों पर प्रतिबंध को लेकर काठमांडू में हुई हिंसा को देखते हुए इसे स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। इसमें कहा गया है कि इस समय महोत्सव का आयोजन न तो उचित होगा और न ही सम्मानजनक।नेपाल के स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्री प्रदीप पौडेल ने जेनरेशन जेड के विरोध प्रदर्शनों से निपटने के सरकार के तरीके पर अपनी असहमति जताते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। एक फेसबुक पोस्ट के जरिए अपने फैसले की घोषणा करते हुए, पौडेल ने लिखा कि युवा पीढ़ी ने सिर्फ सुशासन, जवाबदेही और न्याय की मांग की थी, लेकिन इसके बजाय उन्हें सरकारी दमन और गोलीबारी का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, %देश का बेहतर भविष्य चाहने वाले युवाओं को गोली मारना उचित नहीं ठहराया जा सकता।% नेपाली कांग्रेस के एक केंद्रीय नेता पौडेल ने कहा कि उनकी अंतरात्मा उन्हें ऐसी परिस्थितियों में मंत्रिमंडल में बने रहने की इजाजत नहीं देती। उनका इस्तीफा देश भर में तेज होते विरोध प्रदर्शनों के बीच आया है, जिसमें कई प्रदर्शनकारी पहले ही अपनी जान गंवा चुके हैं।नेपाल में जेनरेशन-जेड के प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन में आग लगा दी है। इससे पहले प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन में घुसकर तोड़फोड़ की थी।नेपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ युवाओं के प्रदर्शन के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जानकारी के मुताबिक राजधानी समेत पूरे देश में बढ़ते विद्रोह के कारण पीएम केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दिया है। जिसे राष्ट्रपति की तरफ से स्वीकार कर लिया गया है। वहीं इससे पहले हिंसक विरोध-प्रदर्शन को देखते हुए पीएम ओली ने सर्वदलीय बैठक भी बुलाई थी।नेपाल में त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सभी उड़ानें रद्द कर दी गईं। हवाई अड्डा प्राधिकरण ने असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। टीआईए के महाप्रबंधक हंसराज पांडे ने बताया कि कोटेश्वर के पास धुएं के गुबार के बाद दोपहर 12:45 बजे से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रोक दी गई हैं। उन्होंने कहा, %हवाई अड्डा बंद नहीं है। हम इसे बंद भी नहीं करेंगे।% चालक दल के सदस्य आवाजाही में समस्या के कारण हवाई अड्डे तक नहीं पहुंच पाए, जिससे उड़ानें उड़ान नहीं भर सकीं। बुद्ध एयर समेत घरेलू एयरलाइनों ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं।काठमांडू में प्रदर्शनकारियों ने कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ अपना प्रदर्शन जारी रखा और वाहनों को क्षतिग्रस्त कर आग लगाई।नेपाल में उग्र प्रदर्शनकारियों ने उपप्रधानमंत्री और वित्त मंत्री बिष्णु पौडेल के भैसपति स्थित आवास पर भी पथराव किया। नेपाल राष्ट्र बैंक के गवर्नर बिस्व पौडेल के भैसपति स्थित आवास पर भी पथराव किया गया।इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने बुधनीलकांठा स्थित ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का के घर में भी तोड़फोड़ की और आग लगा दी।नेपाल के मंत्री आरजू राणा देउबा और गृह मंत्री रमेश लेखक के घरों में भी आग लगा दी गई। प्रदर्शनकारियों ने सीपीएन (यूएमएल) पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में भी तोड़फोड़ की। वहीं, नेपाली मीडिया के मुताबिक, कृषि एवं पशुधन विकास मंत्री रामनाथ अधिकारी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। आकलन करने और एक सार्थक निष्कर्ष निकालने के लिए संबंधित पक्षों के साथ बातचीत कर रहा हूं। इसके लिए, मैंने आज शाम 6 बजे एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई है। मैं सभी भाइयों और बहनों से विनम्र अनुरोध करता हूं कि इस कठिन परिस्थिति में धैर्य बनाए रखें।काठमांडू में प्रदर्शनकारियों ने सीपीएन-एमसी अध्यक्ष पुष्प कमल दहल, संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग, पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक सहित अन्य के आवास पर पथराव किया और आगजनी की। मकवानपुर में, हेटौडा और पूर्वी मनहारी बाज़ार में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए, जहां प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाकर पूर्व-पश्चिम राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया, जिससे यातायात बाधित हुआ। पुलिस ने अशांति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए हैं।

संपादकीय Editorial

Diwali of double gifts

The promise made by Prime Minister Modi to the country from the ramparts of the Red Fort on Independence Day is in the process of being realised. Indeed, this time there will be a 'double gift' on Diwali and other festivals. The GST Council, chaired by Finance Minister Nirmala Sitharaman, has approved the 'gift of reforms'. Now, from September 22, the common man, women, men, youth and average households will be benefited. 'Sharadiya Navratri' is also starting from this date. If everyone's monthly expenditure will be reduced, then savings will increase. That savings will be spent in the market and average consumption. This will increase consumer demand at reduced prices in many sectors like FMCG (fast-moving consumer goods), retail and automobiles. There will be growth in sectors ranging from manufacturing to service. If demand and purchases increase, then production will also increase. Ultimately, the country's economy will flourish. If the tax (GST) on roti, kapda and daily household articles is reduced from 12% to 5% and tax on electronics goods is reduced from 28% to 18%, then surely the common man will feel relieved. Inflation is already under control. If the Prime Minister announces clear plans on the employment front as well, then this country will become even more prosperous. If the country prospers and the spending capacity increases, then the economy will also expand and India will become the third largest economy in the world. By the way, there is very little gap left between the economy of Germany and India, so our becoming the third 'economic superpower' is certain. GST 2.0 is a 'historic change' after eight long years in the form of reforms. Its process has been made easy, as a result of which crores of traders and retail-businessmen will benefit. Now businessmen will have to spend less on rules and laws related to tax. They will be able to focus more on customers and innovation. It is being told that by reducing tax in the country, consumption can increase by up to Rs 2 lakh crore. Small enterprises will benefit more from this. The quality of products and services available to the common man and customers will also improve. However, governments of opposition-ruled states like Karnataka, Telangana, Jammu and Kashmir, Himachal, Punjab, Jharkhand, West Bengal, Tamil Nadu and Kerala have raised the issue of revenue loss of about Rs 48,000 crore, and have demanded from the central government that compensation be given for 5 years and financial security be guaranteed. Politics can also be involved in this. Anyway, there must have been enough discussion on this issue! The most important thing is that there will be no GST on 33 life-saving medicines including cancer. GST on all other medicines will now be reduced from 12 percent to 5 percent. In educational materials, maps, charts, globes, pencils, sharpeners, pastels, copies, notebooks and erasers etc. have been reduced from 12 percent and 5 percent to the 'zero GST' category. Apart from these, GST on hair oil, shampoo, toilet soap bar, toothbrush, shaving cream, gym, salon, yoga center etc. has been reduced from 18 percent to 5 percent. GST on butter, ghee, cheese and dairy spreads, pre-packed namkeen, bhujia, mixture, utensils, children's napkins, clinical diapers, sewing machines and their parts, handicrafts etc. has been reduced from 12% to 5%. GST on ultra high temperature milk, chenna, paneer, roti and all Indian breads including khakra, parantha, bread will now be zero instead of 5%. In the health sector, personal health and life insurance has been reduced from 18% to zero. However, 5% GST will be levied on equipment. Insurance rates will now be very low. Currently, more than 57 crore people in the country have health insurance and about 31 crore.

A natural solution and protector of the environment

Just as Jatayu has an important place in the Ramayana, vultures are also important in many cultures. They are nature's cleaners who dispose of dead animals and prevent diseases. 9 species of vultures are found in India but their numbers have declined drastically, the main reason for which is the use of a chemical called diclofenac. Whenever Sita, Ram and Ravana of Ramayana are discussed in India, the name of Jatayu (vulture), an important character described in Ramayana, is sure to come up. In the Ramayana, Jatayu is depicted as a powerful character, whose size is bigger than other birds and is of social consciousness. Similarly, vultures play an important role in the rituals of 'Dakhma' or 'Tower of Silence' of the Persian community. In the ancient beliefs of Egypt, 'Nekhbet' has been given a leading position as the goddess of North Egypt, which is a replica of the vulture. Not only in mythology and religious beliefs, but also in modern globalization, the names, symbols of vultures and their sharp and farsighted eyes have been used in objects and crafts. Jatayu/vultures have been discussed in many forms in different languages, religious beliefs and local legends. In nature, they have been given the status of 'northern sweeper' on the basis of human consciousness. Vultures are pioneers in efficiently disposing of the rotten flesh of dead animals and preventing the diseases that spread as a result. A total of 23 species of vultures are found all over the world, out of which a total of 9 species of vultures are found in India. Out of these 9 species of vultures, three species come to India from foreign countries for good food, stay and breeding, the remaining 6 species have accepted India as their permanent abode. According to the elders, vultures used to be seen hovering over the garbage and dead bodies of animals thrown outside the village throughout the year, but today they are seen in very small numbers. Vultures have been given less respect than other birds since ages. There has been a different view of vultures as scavengers. Some castes and communities in our society who skin dead animals have seen this most closely. Talking to the elders of these communities reveals that the number of vultures has declined drastically in the present times. In the mid-1990s, the number of vultures suddenly declined by 99 percent and many scientific researches have also revealed that the main reason for the decline in the number of vultures was the use of the chemical 'diclofenac' used at that time in animal treatment. Diclofenac is basically a painkiller that has been used to relieve animals from pain. Although vultures were able to digest rotten meat, this chemical proved to be toxic to their internal structure and digestive organs, and as a result, the number of vultures declined drastically. Diclofenac is given to cattle as an analgesic, but in cattle that die even after treatment, this chemical remains in their dead bodies for about 2 to 3 days. When vultures eat the carcasses of these dead cattle, this chemical reaches the digestive system of vultures and harms them. They die due to inability to digest food and hunger for about 3 to 4 days. The increasing new diseases in the present times are leaving a deep impact on the life of every person. It is now becoming clear that the condition of the ecosystem is deteriorating due to the increasing population and the pressure caused by it. Animal husbandry is still prevalent in the rural areas of India. According to government data, about 52 crore cattle, goats and sheep are exploited in India. Apart from the food found in the forests, vultures usually depend on dead animals thrown outside villages or cities. In the absence of scavengers, the carcasses of dead animals become home to various types of diseases and disorders. These rotting carcasses pose a threat of 'zoonotic diseases'. Zoonotic diseases are a type of infectious disease that can spread from rotten meat in the open, which can directly affect human health. In the absence of vultures, dogs and wild boars eat these dead bodies, so diseases like rabies can also increase, which is a topic of social discussion. In such a situation, it would not be wrong to say that we are affected by vultures and we are affected by vultures. Vultures not only work as skilled engineers in their work, but it is also difficult to find an alternative other than vultures in this work. Vultures stay away from human activities and prefer to build their nests in secluded places, unlike other animals like dogs, crows, herons and pigs. The decline in the vulture population has had a profound impact on both public health and the environment in India. But several efforts made in the last two decades have revived hopes. Based on scientific research and knowledge gained from people, the Indian government banned diclofenac in 2006 and now the use of safe medicines for vultures like 'meloxicam' is being promoted. This step proved to be a turning point in the conservation of vultures. However, even today, the use of medicines harmful to vultures continues secretly in many places in the country. Similarly, in India, the use of medicines harmful to vultures is also increasing. The government has implemented the National Vulture Conservation and Breeding Plan (Vulture Action Plan 2020-2025) for 2020-2025, under which safe centers, 'Vulture-Safe Zones' and breeding centers have been established. Many non-governmental organizations are also working with rural communities at the local level to ensure the protection of vulture nests and feeding places. We need to understand that saving vultures is not only the responsibility of government policies. Vultures are a local solution for safe and clean habitat, so saving them is also possible only by promoting our local efforts. If in rural areas, instead of throwing dead animals in the open, 'vulture restaurants' are made and kept in a safe place, then vultures will be able to get clean food and health problems will be reduced in both villages and cities. Awareness of communities is also important in this. Just like people now discuss the issue of plastic waste or water conservation, it is imperative to make the conservation of vultures a part of social dialogue. The loss caused by their absence can directly affect our health, economy and lifestyle and the sooner the common people understand this, the sooner the situation can be improved. Vultures are not just birds that clean dead animals, they are our companions, health safety engineers and silent protectors of the environment. A solution to the increasing incidence of climate change, new diseases and environmental crises at the global level is present right around us. Vultures are like a natural health insurance for us. Saving them is actually the easiest way to secure our future generations.

RSS's Centenary Year, Sangh Committed to Nation Building

The Sangh believes that a person should know in which direction he wants to take his nation and what contribution he can make in it. The Sangh inspires its volunteers to do selfless work and selfless service by inspiring them with the understanding of India. This is possible only by the inclusion of spirituality in life. Rashtriya Swayamsevak Sangh-RSS, established by the first Sarsanghchalak Dr. Keshav Baliram Hedgewar in Nagpur on the day of Vijayadashami in the year 1925, is celebrating its centenary year. The main objective of the establishment of the Sangh was to awaken and organize the Hindu society and develop national unity and cultural pride. The Sangh, dedicated to personality development and social organization, has today become the largest and most influential socio-cultural organization in the world by emphasizing discipline and character-building through daily shakhas. The centenary journey of the Sangh has been full of struggle, service, dedication, organization and values, whose widespread impact can be seen in the Indian society. This organization has made a commendable effort to bring about positive change by continuously working in many areas like social service, Swadeshi, education, village development, disaster relief, tribal welfare and social harmony. The ideology of the Sangh has been focused on taking everyone along and harmony. Its objective is to develop morality, sense of duty and leadership ability in individuals. The Sangh gives a national vision to its volunteers. The Sangh believes that a person should know in which direction he wants to take his nation and what contribution that person can make in it. The Sangh inspires its volunteers to do selfless work and selfless service by inspiring them with the understanding of India. This is possible only by the inclusion of spirituality in life. According to the RSS, Hindutva is not a belief/cult, but a feeling of dedication towards a civilization, culture and motherland. Dr. Hedgewar defined a Hindu as a person who accepts India as his motherland and culture. The Sangh is dedicated and determined to find the thread of unity in it while respecting diversity. This largest social organization has seen Hindutva as an inclusive cultural nationalism, in which the cultural unity and integrity of India has been given importance, rising above all discrimination. It also believes that Hindu nationalism is based on the majority Hindu culture and values ??of India, but its objective is not to ignore or disregard any community, but to organize everyone as Indians. Recently in Delhi, Sarsanghchalak Dr. Mohan Bhagwat, while emphasizing on the inclusive nature of Hindutva, said that the Sangh's Hindutva means acceptance and inclusiveness, not exclusion and opposition. Harmony, goodwill and coexistence are the basic identity of the Hindu way of life. It also has a sense of easy acceptance towards Muslims and followers of other religions. In the centenary year, the Sangh has a special focus on bringing "Panch Parivartan" in the society. This includes social harmony, environmental protection, family enlightenment, indigenous lifestyle and civic duty. The basis of social harmony is the Sangh's concept of an inclusive nation and society. This concept is to build a harmonious society based on equality free from caste discrimination. Under Swadeshi, there is an emphasis on molding one's consciousness in accordance with Indian wisdom. To strengthen our nation economically, only indigenous goods should be consumed. Only self-awareness and a sense of pride towards oneself can give us true and complete freedom from colonial slavery. Only by awakening our linguistic self-awareness can we become a self-reliant and independent nation. Today, countries of the world are also suffering from environmental problems and disasters. India is also not untouched by this crisis. Today we have to develop such a model of development, which is companion and cooperative of nature. That is why the Sangh is emphasizing on environmental protection. The objective of Kutumb Prabodhan is to save the troubled family-social life. Family has been India's biggest specialty and achievement. The western storm of individualism and consumerism has shaken its foundation. Recognizing this huge challenge, the Sangh is determined to deal with it on a priority basis. Instead of a duty-conscious society, we are becoming a rights-conscious and self-centered society. In our society, we leave all the work to the government. Whereas without citizen participation, even the government cannot bring about any major change. Saving resources like electricity and water, not damaging national property, respecting national festivals.

जिले के नवचयनित 44 कनिष्ठ सहायकों को मिला नियुक्ति पत्र, प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का हुआ सजीव प्रसारण।

प्रदेश स्तर पर लोकभवन में आयोजित मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा कनिष्ठ सहायक और एक्सरे टेक्नीशियन को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का कलेक्ट्रेट सभागार में मा. महापौर नगर निगम मुरादाबाद श्री विनोद अग्रवाल, एमएलसी श्री जयपाल सिंह व्यस्त और एमएलसी श्री गोपाल अंजान और जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की उपस्थिति में सजीव प्रसारण कराया गया। इसके बाद महापौर और एमएलसी द्वारा सरकार की निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से नवयुवक और नवयुवतियों को सरकारी सेवाओं से जोड़ने की प्रतिबद्धता के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान जिले के चयनित 44 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

मत्स्य पालन को प्रोत्साहित करने के लिए यूपी मत्स्य जीवी सहकारी संघ के सभापति ने विभागीय अधिकारी और मत्स्य पालकों के साथ की बैठक।

मछुआ समुदाय को केसीसी का लाभ न मिलने की शिकायत पर सभापति नाराज, एलडीएम को लंबित प्रकरणों के निस्तारण के निर्देश। मत्स्य विभाग के अधिकारी गांवों आयोजित कराएंगे कैंप, योजनाओं की देंगे जानकारी।

सभापति उत्तर प्रदेश मत्स्य जीवी सहकारी संघ लिमिटेड श्री वीरू साहनी ने विकास भवन स्थित बापू सभागार में मत्स्य विभाग के अधिकारियों तथा मत्स्य पालकों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने मत्स्य पालन को प्रोत्साहित करने तथा मत्स्य पालकों को स्वावलंबी बनाने के लिए केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की प्रगति को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने प्रत्येक योजना के अंतर्गत प्राप्त लक्ष्य के अनुरूप प्रगति को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली तथा बैठक में मौजूद मत्स्य पालकों से जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में भी बातचीत की। मत्स्य पालकों को किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत आच्छादित करने की योजना के क्रियान्वयन में बैंक स्तर से लापरवाही किए जाने के मामले पर सभापति ने नाराजगी जताई तथा बैठक में मौजूद लीड बैंक मैनेजर को निर्देश दिए कि वे बैंक स्तर पर लंबित प्रकरणों का नियम संगत तरीके से समाधान कराएं। उन्होंने मत्स्य पालन विभाग से संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण स्तर पर कैंप आयोजित करें तथा मछुआ समुदाय के लोगों को सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दें साथ ही लाभार्थियों को भी चिन्हित कर उन्हें लाभ दिलाएं। तहसील बिलारी में मत्स्य पालन के लिए तालाबों के आवंटन को लेकर दिक्कतों के बारे में मत्स्य पालकों ने सभापति के समक्ष मुद्दा उठाया। सभापति ने उप निदेशक मत्स्य को निर्देश दिए कि वह पट्टा आवंटन को लेकर उत्पन्न हो रही दिक्कतों का प्राथमिकता से समाधान कराएं। उन्होंने कहा कि दो हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल वाले तालाबों में मत्स्य पालकों की समिति के माध्यम से मत्स्य पालन कराए जाने का प्रावधान है इसलिए विभागीय अधिकारी समितियों के गठन को लेकर भी संवेदनशीलता दिखाएं। उन्होंने निषाद राज बोट योजना, मछुआ दुर्घटना बीमा योजना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष, प्रधानमंत्री मत्स्य किसान सह-समृद्धि योजना आदि के बारे में भी समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने मत्स्य पालकों को मछुआ दुर्घटना बीमा और एनएफडीपी के तहत पंजीकरण पत्र प्रदान किया।

मुरादाबाद हिस्ट्रीशीटर हत्याकांड: दिनदहाड़े पुलिस मुठभेड़ में मुख्य आरोपी गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

कटघर में मंगलवार दोपहर मुठभेड़ में पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर सनी दिवाकर को पैर में गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया। वह दस सराय चौकी के पास हिस्ट्रीशीटर कमल चौहान की हत्या में वांछित था। पूछताछ में सनी ने विवाद के चलते हत्या करना कबूल किया। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।दस सराय पुलिस चौकी के पास हिस्ट्रीशीटर कमल चौहान की हत्या करने के बाद भागे हत्यारोपी सनी दिवाकर को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली मारकर दबोच लिया। मुठभेड़ की यह घटना कटघर क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक बजे हुई। पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। एसपी सिटी ने अस्पताल पहुंचकर घायल से पूछताछ की है।कटघर के भदौड़ा दुर्गेश नगर निवासी कमल चौहान की रविवार की शाम पौने छह बजे अपने गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के समय वह अपने दोस्त विशाल शर्मा के साथ स्कूटी से घर लौट रहा था। दस सराय पुलिस चौकी के पीछे कर्बला मैदान में हमलावरों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी थी।कमल चौहान के भाई ने मोहल्ले में रहने वाले हिस्ट्रीशीटर सनी दिवाकर, मोनू पाल, विक्की दिवाकर, निहाल वाल्मीकि, सुभाष यादव, नकुल यादव के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया है। इसके बाद से कटघर थाने की पुलिस, एसओजी, सर्विलांस सेल समेत पांच टीमें हत्यारोपियों की तलाश में जुटी थीं।मंगलवार की दोपहर एक बजे पुलिस कटघर क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक बाइक से सनी आते दिखाई दिया पुलिस ने उसे रोकने का इशारा किया तो आरोपी ने बाइक मुड़ाकर दी। जिससे बाइक फिसल गई। इसके बाद उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग करते हुए आरोपी सनी के पैर में गोली मारकर दबोच लिया।पुलिस उसे लेकर जिला अस्पताल में पहुंची और भर्ती करा दिया। पूछताछ में सनी ने बताया कि कमल चौहान से उसका विवाद चल रहा था।। उसने साजिश रचकर कमल चौहान की हत्या कर दी है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि अन्य आरोपी की तलाश की जा रही है।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मुरादाबाद स्मार्ट सिटी, एसपीवी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक सम्पन्न।

मण्डलायुक्त श्री आन्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में मुरादाबाद स्मार्ट सिटी, एसपीवी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक में एडिशनल सीईओ द्वारा निदेशक मण्डल के समक्ष एजेंडा प्रस्तुत किया गया, जिसके पश्चात निर्णय लिए गये। बैठक में निदेशक मण्डल/मण्डलायुक्त द्वारा मुरादाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड के निदेशक के रुप में श्री अशोक कुमार चौरसिया, मुख्य अभियन्ता पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को निदेशक/अंशधारी नियुक्त किए जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया। मण्डलायुक्त द्वारा मुरादाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड के निदेशक के रुप में श्री परमेश कुमार सहयुक्त नियोजक टाउन एण्ड कन्ट्ररी प्लानिंग मुरादाबाद को निदेशक नियुक्त किए जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया। मुरादाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड परियोजना के अन्तर्गत निर्मित पीएनजी आधारित शवदाह गृह के संचालन हेतु नगर निगम मुरादाबाद को हस्तगत किए जाने का अनुमोदन भी प्रदान किया गया। स्मार्ट सिटी परियोजना सोलर बेस्ड वाटर एटीएम के ऑपरेशन और मेंटनेंस अवधि की समाप्ति से पूर्व परियोजना संचालन तथा संचालन से प्राप्त आय की शेयरिंग किए जाने हेतु निविदा आदि की कार्यवाही करते हुए एजेंसी का चयन किए जाने के प्रस्ताव का मण्डलायुक्त द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया। इसके साथ ही स्मार्ट सिटी लिमिटेड की समस्त पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं को सेल्फ सस्टेनेबल बनाये जाने एवं इन कार्यों से रेवन्यू प्राप्त किए जाने हेतु आवश्यक प्लानिंग शीघ्र बनाये जाने के मण्डलायुक्त ने निर्देश दिए।इस अवसर पर उपाध्यक्ष मुरादाबाद विकास प्राधिकरण श्री अनुभव सिंह, एडिशनल सीईओ मुरादाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड श्री अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्रीमती ममता मालवीय, मुख्य अभियंता पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड श्री अशोक कुमार चौरसिया सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।

स्वयं सहायता समूहों और स्वयं सेवी संगठनों के साथ विकास भवन में आयोजित हुई कार्यशाला, विकसित उत्तर प्रदेश- 2047 के लिए प्रबुद्धजनों की टीम ने लिए सुझाव।

समर्थ उत्तर प्रदेश- विकसित उत्तर प्रदेश 2047 हेतु विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने के लिए जनपद मुरादाबाद में शासन द्वारा नामित प्रबुद्ध जनों में शामिल सेवानिवृत आईएएस श्री दिलीप गुप्ता, सेवानिवृत्ति विभागाध्यक्ष कृषि प्रसार कॉलेज डॉ. ओंकार तिवारी, सह निदेशक सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ डॉ रविंद्र कुमार और सेवानिवृत प्रोफेसर आईसीएआर श्री रणवीर सिंह ने विकास भवन स्थित बापू सभागार में जनपद के स्वयंसेवी संगठन और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के साथ बैठक करके सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अधिक मजबूती प्रदान करने के लिए जरूरी प्रयास एवं सुझावों पर विस्तृत चर्चा की। उपायुक्त एनआरएलएम ने जनपद में स्वयं सहायता समूहों के गठन और विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सक्रियता के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शासन स्तर से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए स्वयं सहायता समूह से जोड़कर समाज की मुख्य धारा में शामिल करके आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा विद्युत सखी, बैंक सखी, ड्रोन दीदी सहित विभिन्न प्रकार के कार्यों से जुड़कर विभागों के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया जा रहा हैं साथ ही विभाग द्वारा दी जाने वाली प्रोत्साहन धनराशि से उनका आर्थिक उन्नयन भी हो रहा है। प्रबुद्धजनों में शामिल सेवानिवृत आईएएस श्री दिलीप गुप्ता ने बैंक सखी के रूप में कार्य कर रही सारिका से उनके कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की। सारिका ने बताया कि वह अपने गांव से 30 किलोमीटर के दायरे में स्थित गांवों में विद्युत बिल जमा करने का कार्य कर रही हैं जिससे उन्हें अच्छी आय मिल रही है। उन्होंने बताया कि बैंक सखी के रूप में कार्य करने से उनके परिवार का आर्थिक विकास हो रहा है साथ ही उन्हें सामाजिक रूप से भी नई पहचान मिल रही है और वह स्वयं को मजबूत महसूस कर रही हैं। उन्होंने विद्युत बिलों की वसूली के दौरान आने वाली समस्याओं और उनके समाधान के लिए भी टीम को जानकारी दी। उपायुक्त एनआरएलएम ने बताया कि विभाग द्वारा स्वास्थ्य सखियों के चयन को लेकर भी प्रयास किया जा रहे हैं। ये स्वास्थ्य सखियां ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को पोषण प्रबंधन और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने में मदद करेंगी। बैठक में हरित प्रोत्साहन, नेत्रदान, शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे स्वयंसेवी संगठनों ने भी अपने सुझाव दिए। मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी ने बताया कि सभी के सुझावों को संग्रहित करके प्रबुद्ध जनों की टीम द्वारा शासन को भेजी जाएगी। उन्होंने प्रबुद्ध जनों की टीम को स्वास्थ्य, कृषि, विद्युत सहित विभिन्न रोजगारपरक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित कराने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन और स्थानीय स्तर पर किए जा रहे विशेष प्रयासों को लेकर भी विस्तृत जानकारी दी।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2024: मुरादाबाद को देश में दूसरा, यूपी में पहला स्थान, अफसर बोले- नागरिकों का सहयोग अहम

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2024 में मुरादाबाद ने एक बार फिर अपनी खास पहचान बनाई है। 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में मुरादाबाद को देशभर में दूसरा और उत्तर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त हुआ है। यह रैंकिंग पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत जारी की गई है।शहर ने इससे पहले भी बेहतर प्रदर्शन किया है। 2022 में मुरादाबाद को राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान मिला था जबकि 2021 में मुरादाबाद पूरे देश में पहले स्थान पर रहा था। लगातार बेहतर रैंकिंग से यह साबित हुआ है कि स्वच्छ वायु के लिए चलाए जा रहे प्रयास कारगर हो रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि प्रदूषण नियंत्रण, हरियाली बढ़ाने और साफ-सफाई में शहरवासियों की भागीदारी अहम रही है

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में नशे की तस्करी... और होती रहीं हत्याएं, दस सराय इलाका बन रहा गढ़, पुलिस नेटवर्क खंगाल रही

मुरादाबाद में नशे की तस्करी जोरों पर हैं। दस सराय क्षेत्र में नशे और वर्चस्व की लड़ाई में पिछले वर्षों में कई हत्याएं हो चुकी हैं। सनी दिवाकर गिरोह ने पहले रंगदारी और मारपीट की और अब हिंदू समाज पार्टी जिलाध्यक्ष कमल चौहान की गोली मारकर हत्या कर दी।कटघर के दस सराय क्षेत्र में नशे के धंधेबाजों की जड़े गहरी हैं। जिसे लेकर इस क्षेत्र में कई हत्याएं हो चुकी हैं। फायरिंग और मारपीट की दर्जनों घटनाएं हो चुकी हैं। रंजिश और अपना वर्चस्व कायम करने के लिए हैं हत्याएं करना और कराने का सिलसिला लंबे समय से चल रहा है। दस सराय पुलिस चौकी के पास ही 2011 में पार्षद राजेश सैनी की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी। घटना के समय वह अपने बाहर से घर लौट रहे थे। इसी हत्याकांड में उनके चचेरे भाई संजय सैनी और ध्यान सिंह सैनी का नाम सामने आया था। इस घटना से करीब एक साल बाद 2012 में संजय सैनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।इस हत्याकांड में पार्षद राजेश सैनी के दो भाई यशपाल सैनी और सुभाष सैनी के नाम सामने आए थे। उस वक्त सुभाष सैनी और यशपाल सैनी शिवसेना पार्टी से पार्षद थे। उस वक्त पुलिस की ओर से दावा किया गया कि यशपाल सैनी और सुभाष सैनी ने अपने भाई की हत्या का बदला लेने के लिए संजय सैनी की हत्या की है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था लेकिन दोनों पक्षों में समझौता होने के कारण दोनों भाई जेल से बाहर आ गए थे।10 अप्रैल 2014 में हिंदू युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष ध्यान सिंह सैनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में यशपाल सैनी और सुभाष सैनी को गिरफ्तार जेल भेजा गया था। 2019 में कोर्ट ने दोनों भाइयों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी लेकिन हाईकोर्ट से दोनों भाइयों को जमानत मिल गई थी।इसके बाद दोनों भाई जेल से बाहर आ गए थे। करीब एक साल पहले सुभाष सैनी की मृत्यु हो गई थी। दस सराय पुलिस चौकी के पीछे रहने वाले सनी दिवाकर ने इस क्षेत्र से बाहर निकलकर मझोला क्षेत्र में भी घटनाएं की हैं। 2021 में सपा नेता दीपक मंत्री की हत्या में भी सनी दिवाकर का नाम सामने आया था।सनी दिवाकर और उसकी गैंग ने 20 अगस्त को कमल चौहान के तहेरे भाई देवेश से पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगी। इसके अलावा इस गिरोह से यशपाल सैनी के छोटे भाई को घेर कर पीटा और उसके रुपये छीन लिए थे। रविवार की शाम गिरोह ने कमल चौहान को घेर लिया और उनकी हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गए।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

स्वास्थ्य विभाग ने लगाया कैम्प, 250 से अधिक मरीजों की जांच, दवाइयां वितरित

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत भारतीय किसान यूनियन भानु के बैनर तले रविवार को पूरनपुर ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम शिवपुरिया में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। ग्राम प्रधान खुशीराम के सहयोग से आयोजित इस शिविर में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर डॉक्टरों की टीम ने पूरे दिन मरीजों की जांच की। शिविर में करीब 250 से अधिक मरीज पहुंचे। यहां कई लोगों की आंखों की जांच की गई, जिनमें मोतियाबिंद के मरीजों की पहचान हुई। इसके अलावा ब्लड शुगर और बीपी की भी निशुल्क जांच की गई। महिलाओं, बच्चों और पुरुषों को डॉक्टरों द्वारा दवाइयां वितरित की गईं। शिवपुरिया स्कूल परिसर में लगे इस कैंप में डॉक्टरों की टीम ने मौजूद रहकर इलाज और दवा वितरण किया। कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन भानू के मंडल अध्यक्ष लाल मिश्रा, जिला मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र गुप्ता, तहसील मीडिया प्रभारी सबलू खां तथा ग्राम प्रधान खुशीराम मौजूद रहे। भारतीय किसान यूनियन भानू के बैनर तले बीते माह से लगातार निशुल्क स्वास्थ्य कैंपों का आयोजन कराया जा रहा है। इसी क्रम में आज शिवपुरिया गांव में यह कैंप आयोजित किया गया। मंडल अध्यक्ष लालू मिश्रा ने बताया कि इस तरह के स्वास्थ्य शिविर आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।

जिलाधिकारी ने अति आवश्यक आपदा राहत सामग्री ट्रकों को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना।

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत सूचना विभाग 09 सितम्बर 2025/उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तराखंड आपदा पीडितों के लिए अति आवश्यक आपदा राहत सामग्री पीलीभीत से हल्द्वानी (नैनीताल) भेजी गई। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने मंडी पहुंचकर राहत सामग्री से भरे 08 ट्रकों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। ट्रकों में 3800 पैकेट आपदा राहत सामग्री भेजी गई। उप जिलाधिकारी एवं एआरटीओ द्वारा आपदा राहत सामग्री को हल्द्वानी तक पहुंचाया जायेगा। इ स दौरान अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), नगर मजिस्टेड्ट, उप जिलाधिकारी सदर, एआरटीओ, सहायक निबन्धक सहकारिता, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बाढ़ से राहत, लेकिन कटान से आफत..

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत में बाढ़ के हालात से राहत की सांस ले रहे ग्रामीण अब एक नई आफत से जूझ रहे हैं। शारदा और देवहा नदी का जलस्तर भले ही घटा हो, लेकिन इसने किनारे बसे परिवारों की नींद उड़ा दी है। लगातार हो रही कटान की वजह से खेत ही नहीं, बल्कि अब घर भी नदी में समाने की कगार पर पहुँच गए हैं। पीलीभीत जिले में बीते एक सप्ताह से अधिकांश इलाकों में बाढ़ का पानी उतर चुका है। रिहायशी इलाकों से पानी हटने के बाद लोगों ने चैन की सांस ली थी। मगर अब खेतों में जलभराव और नदी की कटान ने संकट गहरा दिया है। प्रशासन की ओर से जहाँ खेतों में हुए नुकसान का सर्वे शुरू किया गया है, वहीं नदी किनारे रह रहे परिवारों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। नावकूड गांव, जो शहर से महज 5 किलोमीटर दूर है, देवहा नदी के किनारे बसा हुआ है। यहां के तीन परिवार डोरीलाल, हीरालाल और शेर सिंह की टेंशन हर गुजरते दिन के साथ बढ़ रही है। प्रशासन ने इन तीन घरों में रहने वाले चार परिवारों के 16 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया है। ग्रामीणों की माने तो कटान से गांव का खड़ंजा रास्ता भी टूट गया है। ग्रामीण अब पैदल रास्तों से आना-जाना कर रहे हैं। तीन घरों में रहने वाले चार परिवारों के 16 लोगों को स्कूल में रखा गया है। प्रशासन ने उनके खाने-पीने की व्यवस्था भी कराई है। प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद दी जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि हर साल यह समस्या आती है। प्रशासन अस्थायी राहत देकर चला जाता है। तटबंध या पक्के किनारे न बनने तक यह समस्या हर साल आएगी। कई परिवारों की फसल भी नदी में बह गई है। इससे उनकी आजीविका प्रभावित हुई है। जिला प्रशासन ने बाढ़ खंड की टीम को मौके पर तैनात किया है। प्रभावित परिवारों की सूची बनाई जा रही है। नदी पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। एसडीएम श्रद्धा सिंह ने बताया कि जनहानि से बचने के लिए खतरे वाले मकान खाली कराए गए हैं। नदी की कटान इतनी तेज है कि इन परिवारों के घर अब सीधे मुहाने पर आ गए हैं ग्रामीणों का कहना है कि थोड़ी और कटान हुई तो उनके मकान नदी की धारा में समा जाएंगे। स्थिति की गंभीरता देखते हुए प्रशासन ने बचाव कार्य शुरू कर दिया है और प्रभावित परिवारों से घर खाली कराने की प्रक्रिया तेज कर दी है?, हालांकि ग्रामीण प्रशासन की कार्रवाई से असंतुष्ट हैं। उनका आरोप है कि कई सालों से इस समस्या को लेकर आवाज उठाई जा रही है, लेकिन समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते पुख्ता इंतज़ाम किए जाते तो आज उन्हें इस संकट का सामना नहीं करना पड़ता। नदी कटान ने केवल मकानों को ही नहीं, बल्कि खेतों को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। शारदा नदी के किनारे बसे दर्जनों किसानों की मेहनत नदी की धार में समा चुकी है। बाढ़ का पानी उतरने के बाद उम्मीद थी कि हालात सुधरेंगे, लेकिन अब कटान ने किसानों की कमर तोड़ दी है। ग्रामीण प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि सिर्फ़ बचाव कार्य कर खानापूर्ति करने के बजाय स्थायी समाधान की दिशा में काम किया जाए। उनका कहना है कि यदि तटबंध मजबूत किए जाएं और कटान रोकने के उपाय किए जाएं तो भविष्य में ऐसी नौबत से बचा जा सकता है।

पीलीभीत के कई इलाकों में बीते लगभग एक महीने से हाथी की चहलकदमी देखी

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत के कई इलाकों में बीते लगभग एक महीने से हाथी की चहलकदमी देखी जा रही थी। वहीं इस चहलकदमी से किसानों की फसलों को नुकसान हो रहा था। वही अब किसानों के लिए राहत भरी ख़बर है कि हाथी नदी के पार टाइगर रिजर्व का बराही रेंज का जंगल है ये अभ्यारण है। खुली सीमा के चलते आए दिन गेंडे और हाथी कई बार ये जंगली जानवर जंगल से सटे आबादी वाले टाइगर रिजर्व की माला रेंज से सटे इलाकों में हाथी की थी। उसी के पास में माला रेस्ट हाउस स्थित है। ऐसे में माना रिज़र्व के गश्ती हाथियों में अपना परिवार तलाश रहा था। चहलकदमी से दर्जनों गांव में किसानों की फसलें नष्ट होने काफी राहत मिली है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी

अब वापस नेपाल की ओर लौट रहा है। पीलीभीत जिले में शारदा जंगल इंडो-नेपाल सीमा पर है। सीमा के पार नेपाल का शुक्लाफांटा समेत तमाम जंगली जानवर भारत की सीमा में प्रवेश कर जाते हैं। इलाकों में भी पहुंच जाते हैं। बीते लगभग एक महीने से पीलीभीत चहलकदमी देखी जा रही थी। जिस इलाके में हाथी की मौजूदगी जा रहा था कि अपने झुंड से बिछड़ा यह हाथी पीलीभीत टाइगर लेकिन अब यह हाथी वापसी के रूट पर देखा जा रहा है। हाथी की का भय बना हुआ था। हाथी की वापसी को देखते हुए किसानों को डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि बीते लगभग एक महीने से पीलीभीत टाइगर रिजर्व की माला रेंज में एक प्रवासी हाथी की चहलकदमी देखी जा रही है। कल रात मुस्तफाबाद गेट के समीप हाथी की चहलकदमी देखी गई थी। हाथी के रूट को देखते हुए संकेत मिल रहे हैं कि वह वापसी कर रहा है। हाथी जंगल से बाहर न आए इसके लिए सामाजिक वानिकी व पीलीभीत टाइगर रिजर्व की संयुक्त टीम निगरानी में जुटी हुई है।

अंतर विभागीय समन्वय बैठक संपन्न, कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ सेवा सप्ताह को सफल बनाने पर विशेष जोर, सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश शिवपुरी। जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री रविंद्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में अंतर-सीएम हेल्पलाइन, समय-सीमा पत्रों, जनसुनवाई तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु समस्त विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें, अलग से सूचना वाली जनसुनवाई में फील्ड से जुड़े तथा जनता के सीधे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितंबर) से प्रभावी ढंग से आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी, जिनमें सभी विभागों लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा संतुष्टि के आधार पर किया जाए। उन्होंने किसान क्रेडिट

विभागीय समन्वय एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अन्य महत्वपूर्ण विषयों की गहन समीक्षा की गई। इस अवसर पर जैन, अपर कलेक्टर श्री दिनेश चंद्र शुक्ला, डिप्टी कलेक्टर सहित श्री चौधरी ने निर्देश दिए कि सीएम समाधान ऑनलाइन बैठक में सभी नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने संपर्क में रहने वाले अधिकारी अनिवार्य रूप से भाग लें। कलेक्टर ने गांधी जयंती (2 अक्टूबर) तक संचालित होने वाले सेवा सप्ताह को कहा कि इस दौरान जिले में विभिन्न स्तरों पर जनकल्याणकारी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। बैठक में सीएम हेल्पलाइन की कि शिकायतों का निस्तारण फोर्स क्लोज के बजाय नागरिकों की कार्ड, यूरिया खाद उठाव एवं वितरण की दैनिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में उन्होंने निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी नियुक्तियों में एसटी वर्ग की आदिवासी महिलाओं के आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर नियमानुसार निराकरण करें। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने लंबित प्रसूता सहायता प्रकरणों का शीघ्र पंजीयन एवं भुगतान सुनिश्चित करने को कहा। इसके अतिरिक्त, पीएम स्वामित्व योजना के अंतर्गत शेष रहे ग्रामीण क्षेत्रों का शीघ्र सर्वेक्षण कर लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कर्मयोगी-ङ्ढत्नह्रञ्ज पोर्टल पर पंजीकृत कर्मचारियों को प्रशिक्षण हेतु डीआईओ एनआईसी/डीईजीएम को आवश्यक कार्यक्रम जारी करने के निर्देश दिए। बैठक के अंत में कलेक्टर ने आगामी 27 सितंबर को करैरा में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर सभी विभागों को पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आगामी 13-09-2025 को होगा जनपद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शाली जनपद में आगामी दिनांक 13-09-2025 (दिन शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत के सम्बन्ध में जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान ने समस्त पीठासीन अधिकारी, समस्त विभागाध्यक्ष, कि राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल हुए अपने-अपने न्यायालयों/विभागों से Petty Offecne/शमनीय वाद, दीवानी मामलों तथा सभी प्रकार का चालानी वाद, का चिन्हांकन कराकर उक्त वादों का दिनांक के माध्यम से निस्तारित करने हेतु प्रभावी गये है। राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संबंधित को अपने-अपने न्यायालयों/ सम्बन्धी/नामान्तरण आदि के वाद पर त्वरित

जनपद शामली को निर्देशित किया गया आयोजन हेतु व्यापक प्रचार प्रसार कराते सम्बन्धित अधिकाधिक उपयुक्त वादों वाद, 138 एन.आई. एक्ट, आर्बोट्रेशन राजस्व वाद व बैंक सम्बन्धी आदि वादों 13-09-2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये आयोजन हेतु जिलाधिकारी ने समस्त विभागों में लम्बित वादों यथा-वरासत कार्यवाही कर अधिक से अधिक वादों को नियत करते हुए समन/नोटिस भेजकर तामीला कराना सुनिश्चित करें तथा नियत समस्त वादों का निस्तारण करते हुए निस्तारण के उपरान्त समस्त निस्तारण वादों की प्रकृति के अनुसार विवरण पत्र इस कार्यालय की ई-मेल आई0डी0 rashamli{y@gmail.com पर दिनांक 13-09-2025 को समय दोपहर 12:00 बजे तक प्रत्येक दशा में भिजवाना सुनिश्चित करे

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

विद्यालीय जनपद स्तर की कुराश प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्री पीसी आजाद इंटर कालेज बिहारकलां में सोमवार को विद्यालय स्तरीय जनपद कुराश प्रतियोगिता के अंतर्गत बालक एवं बालिका वर्ग का आयोजन हुआ। बालक वर्ग से जनपद के किसी विद्यालय के खिलाड़ी ने भाग नहीं लिया। जबकि बालिका वर्ग में शिव ज्ञान इण्टर कालेज सीबीगंज की एक मात्र खिलाड़ी कु. वंशिका गंगवार ने सभी प्रपत्र जमा कर रजिस्ट्रेशन कराया। अन्य किसी खिलाड़ी के भाग न लेने के कारण कु. वंशिका गंगवार को मण्डल के लिए चयनित कर लिया गया। कुराश प्रतियोगिता के आयोजन में बालिका वर्ग के प्रभारी दिनेश कुमार, सीबीगंज बालक वर्ग प्रभारी जलज सक्सेना रहे। खेल प्रतियोगिता में शिक्षक हेम पाल गंगवार का विशेष सहयोग रहा। अंत में प्रधानाचार्य डाक्टर राजेंद्र कुमार गंगवार ने खिलाड़ी कुमारी वंशिका गंगवार क? प्रमाण पत्र दिया। आयोजन में सभी सहयोगी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

इनरव्हील क्लब ऑफ बरेली दिव्यशक्ति ने मनाया शिक्षाविद् सम्मान समारोह

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। दिव्यशक्ति ने शिक्षक दिवस हर्षोल्लास से मनाया जिसके अंतर्गत प्रधानाचार्यो एवं शिक्षकों को राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित, क्लब अध्यक्षा डॉ0 मिथिलेश भदौरिया तथा कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती चमन जहां, प्रधानाचार्या इस्लामिया गर्ल्स इंटर कॉलेज बरेली द्वारा सम्मानित किया गया।उन्होंने सभी को शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। इनमें दीपिका सिंह, संदीप इंदवर, राजेश चौहान, शरद श्रीवास्तव, विवेक मोहन,अमिता नारंग,रुचि, देवेंद्र कुमार, नीति माहौर, अर्चना समेत 30 को सर्टिफिकेट तथा पौधा देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर क्लब सचिव शिखा श्रीवास्तव, ट्रेज़र शशि सिंह, एडिटर मोहिता सक्सेना, सह सचिव अंजना सिंह, उपाध्यक्ष निधि भार्गव, ललिता टंडन, अनीता सक्सेना, सुधा चौहान,संगीता, अंजली, कंचन आर्य, शिवानी जोशी,शिवानी पटवाल, उपस्थित रहे। मंच संचालन आई एस ओ मीनाक्षी अस्थाना ने किया।

दलित महिला के साथ दूसरे समुदाय के युवक ने की छेडख़ानी मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / फतेहगंज पूर्वी। नगर के एक मोहल्ले की महिला ने पुलिस को तहरीर देकर पड़ोस के ही एक दूसरे समुदाय के युवक के खिलाफ छेड़खानी का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।जिसमें महिला के द्वारा बताया गया कि रविवार सुबह वह अपने बच्चे को शौंच कराने के लिए घर से बाहर खेतों में जा रही थी।तभी पड़ोस का ही एक दूसरे समुदाय का व्यक्ति रास्ते में खड़ा था वह महिला के साथ जबरन छेड़खानी करने लगा।महिला के द्वारा विरोध करने पर व चिल्लाने की आवाज सुनकर कुछ लोग वहां आ गए तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया।महिला ने घर पहुंचकर पति को घटना के बारे में बताया तो सोमवार को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया गया। इंस्पेक्टर संतोष कुमार ने बताया कि महिला की तहरीर के अनुसार मुकदमा दर्ज किया गया है जांच की जा रही है

कूड़ा डालने से मना करने पर युवक के साथ घर में घुसकर की मारपीट

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / फतेहगंज पूर्वी। कस्बे के मोहल्ला जमीदारांन निवासी उमरताज ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उसके घर के सामने पड़ोसी मोहम्मद नवी ,मोहम्मद शरीफ, मोहम्मद वारिस, मोहम्मद जुनैद अक्सर कूड़ा डालते रहते हैं जिससे गंदगी फैलती है जब पीड़ित ने उन लोगों से कूड़ा डालने को मना किया तो वह सभी लोग गाली गलौज करने लगे जब गाली देने से मना किया तो सभी लोगों ने एकजुट होकर घर में घुसकर पीड़ित के साथ घर की महिलाओं के साथ भी लाठी डंडे से मारपीट की जिससे सभी के चोटें आईं हैं।उन लोगों ने पीड़ित का मोबाइल भी तोड़ दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए।पीड़ित ने तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

भाजपा युवा मोर्चा नेताओं ने उपमुख्यमंत्रियों से की मुलाकात

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती। भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष हरिओम तिवारी एवं जमुनहा मंडल अध्यक्ष राहुल जायसवाल ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक से मुलाकात कर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। नेताओं ने स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार और आवश्यक संसाधनों की आवश्यकता से संबंधित मुद्दों को मंत्री के समक्ष रखा। इसके साथ ही उन्होंने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से भी मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। उपमुख्यमंत्री ने नेताओं द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए जिले के उच्च अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मुलाकात के दौरान भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री राणा प्रताप सिंह, जिला महामंत्री पवन आजाद सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष हरिओम तिवारी ने कहा कि संगठन जनता की समस्याओं को सरकार तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है और सभी मुद्दों पर निरंतर प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान नेताओं ने क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं, सड़क संपर्क, शिक्षा तथा अन्य मूलभूत समस्याओं पर भी संवाद कर समाधान की दिशा में पहल करने का आग्रह किया। इस दौरान मंत्रियों ने आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन देते हुए संगठन की सक्रिय भूमिका की सराहना की।

चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित 1112 कनिष्ठ सहायकों एवं 22 एक्स-राय टेक्निशियन को नियुक्ति पत्र वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शाली उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं

पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अन्तर्गत चयनित 1,112 कनिष्ठ सहायकों एवं 22 एक्सरे टेक्नीशियन को नियुक्ति पत्र वितरण प्रदेश स्तर पर मा0 मुख्यमंत्री जी उ0 प्र0 श्री योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा किया गया। प्रदेश स्तर पर आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण के माध्यम से विकास भवन सभागार शामली में मुख्य अतिथि के रूप में एमएलसी श्री वीरेंद्र सिंह, जिलाधिकारी शामली अरविन्द कुमार चौहान सहित मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अनिल कुमार,एसीएमओ डॉ अतुल बंसल, जाहिद अली त्यागी, डीआईओ डॉ करन चौधरी, समस्त स्टाफ एवं चयनित कनिष्ठ सहायकों द्वारा मा0 मुख्यमंत्री जी के प्रेरणादाई संबोधन को देखा और सुना गया। मा0 मुख्यमंत्री जी ने अपने संबोधन में निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत सभी नवचयनित कनिष्ठ सहायकों एवं एक्सरे टेक्नीशियन को बधाई देते हुए कहा कि यूपी के अंदर पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया नये उत्तर प्रदेश की तस्वीर को प्रदर्शित करती है। मा0 मुख्यमंत्री जी ने अपने संबोधन में 2017 के बाद चिकित्सा के क्षेत्र में हुए परिवर्तन के साथ-साथ आदि उपलब्धियां को भी बताया। आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर एमएलसी श्री वीरेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में जनपद के सभी नवचयनित कनिष्ठ सहायकों को बधाई देते हुए कहा कि आपका निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत अपनी योग्यता के दम पर चयन हुआ है। इसलिए मुख्यमंत्री जी की अपेक्षा के अनुसार जब भी आपके सामने कोई मरीज़ आता है तो उसकी निस्वार्थ भाव से सेवा करने की बात कही। इस अवसर जिलाधिकारी शामली अरविन्द कुमार चौहान ने अपने संबोधन ने जनपद से नवचयनित सभी 06 कनिष्ठ सहायकों को बधाई देते हुए कहा कि जिसको लोगों की सेवा करने का मौका मिलता है वह बहुत ही सौभाग्यशाली होता है। डीएम ने कहा आपको सरकार ने यह मौका दिया है इसलिए आप जिस पद पर नियुक्त किए हो उस पर रहते हुए पूरी सत्यनिष्ठा से शत् प्रतिशत लोगों की सेवा करनी है। मंच का सफल संचालन डीपीएम आशुतोष कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने कहा फरियादियों की शिकायतों का निस्तारण शासन की प्राथमिकता किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शाली प्रदेश सरकार के महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन आज जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान की अध्यक्षता में

तहसील कैराना के सभागार में आयोजित किया गया। आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायतों को सुनते हुए सभी विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए जनसमस्याओं का समय से गुणवत्तापरक निस्तारण करने के निर्देश दिये। संपूर्ण समाधान दिवस में जिला अल्पसंख्यक अधिकारी व अधिशासी अधिकारी कांधला के अनुपस्थित मिलने पर जिलाधिकारी ने सम्बंधित का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि जन समस्याओं का निस्तारण शासन की प्राथमिकता है अत: शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार के लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने राजस्व विभाग व पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों में अधिकारियों को मौके पर जाकर नियमानुसार निस्तारण के कड़े निर्देश दिए।आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में आज फरियादियों द्वारा 37 शिक़ायती पत्र प्राप्त हुए प्राप्त शिकायती पत्रों में से मात्र 04 शिकायत का निस्तारण मौके पर कर दिया गया।और शेष शिकायतों के समय से निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक श्री नरेन्द्र प्रताप सिंह ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पुलिस से संबंधित प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें। आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर एसडीएम कैराना निधि भारद्वाज, डीएफओ जगदेव सिंह, पीड़ी डीआरडीए प्रेम चन्द सहित सभी संबंधित विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें। इसके अलावा तहसील शामली में एसडीएम शामली में एसडीएम शामली अर्चना शर्मा की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर एसडीएम ने फरियादियों की शिकायतों को सुनते हुए उनके निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।संपूर्ण समाधान दिवस में आज एसडीएम के समक्ष 44 शिकायतें आईं। प्राप्त शिकायतों में 05 का निस्तारण मौके पर किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार शामली सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहें। इसके अलावा तहसील ऊन में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन श्री सत्येन्द्र सिंह, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0), शामली की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर अपर जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायतों को सुनते हुए उनके निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में अपर जिलाधिकारी के समक्ष आज 41 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से मौके पर 04शिकायत का निस्तारण किया गया। ओर शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर एसडीएम ऊन संदीप त्रिपाठी सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहें।

जगन्नाथ सिंह स्मृति महाविद्यालय में छात्रों के भविष्य के साथ किया जा रहा है खिलवाड़

क्यूँ न लिखूँ सच / अनुपम कुमार द्विवेदी / छात्र नेता अंबिकेश धर द्विवेदी द्विवेदी द्वारा बताया गया शासकीय जगन्नाथ सिंह स्मृति महाविद्यालय में चितरंगी में छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होता हुआ दिखाई दे रहा।

है आपको बता दे कि चितरंगी तहसील के अंतर्गत इकलौती महाविद्यालय है जिसमें पीने के लिए पानी का जो टंकी है ओ पूरी तरह से कचरा ही कचरा फैला है उसके साथ जहां बच्चों की क्लास लगाती है क्लास रूम में सीधे गुटका खाकर क्लास रूम में थूक गया है और पूरे क्लास में कचरा ही कचरा फैला हुआ है और प्रभारी प्राचार्य राममिलन प्रजापति से जब छात्रों द्वारा साफ सफाई को लेकर बात किया जाता है तो प्रभारी प्राचार्य सीधे सीधे बोलते है आप लोग खुद अपने हाथ से करो कोई साफ सफाई नहीं करेगा और प्रभारी प्राचार्य खुद 12बजे क्लास आयेगे और एक और बाहर गेट के पास ही अपनी गाड़ी खड़ी कर देगे कोई भी रेगुलर क्लास तक अभी संचालित नहीं होता दिखाई दे रहा है नहीं महाविद्यालय का अभी तक टाइम टेबल तक नहीं बना है

संक्षिप्त समाचार

इंटर कॉलेज में प्रवक्ता की योग्यता में हुआ बड़ा बदलाव, अब पीजी के साथ बीएड भी हुआ अनिवार्य; शासनादेश जारी

यूपी में इंटर कॉलेज में प्रवक्ता के पदों में नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव किया गया है। अब प्रवक्ता बनने के लिए पीजी के साथ बीएड अनिवार्य कर दिया गया है। प्रदेश के इंटर कॉलेजों में प्रवक्ता बनने के लिए अब स्नातकोत्तर (पीजी) के साथ बीएड अनिवार्य कर दिया गया है। इस संबंध में मंगलवार को शासन ने आदेश जारी कर दिया। विशेष सचिव कृष्ण कुमार गुप्त की ओर से माध्यमिक शिक्षा निदेशक एवं माध्यमिक शिक्षा परिषद के सभापति को भेजे गए आदेश में कहा गया है कि अभी तक इंटर कॉलजों में प्रवक्ता पद पर शिक्षकों की योग्यता स्नातकोत्तर की डिग्री ही मान्य थी, जिसमें संशोधन कर दिया गया है। अब पीजी के साथ बीएड को भी अनिवार्य कर दिया गया है। आदेश में यह भी कहा गया है कि प्रदेश के अशासकीय मान्यता/सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापकों की नियुक्ति के लिए निर्धारित शैक्षिक अर्हता को निरस्त कर नए सिरे से इसके लिए आदेश जारी कर दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि पूर्व में 22 अप्रैल 2025 को जारी आदेश में हाई स्कूल में जीव विज्ञान विषय के सहायक अध्यापक की अर्हता को शामिल नहीं किया गया था, जिसे नए आदेश में शामिल कर लिया गया है। अब हाईस्कूल में जीव विज्ञान के सहायक अध्यापक पद के लिए भी बाकि विषयों की तरह ही स्नातक के साथ बीएड पास को अर्हता में शामिल किया गया है। इस प्रकार से अब अशासकीय मान्यता / सहायता प्राप्त संस्थाओं के अध्यापकों की नियुक्ति व पदोन्नति के लिए इंटरमीडिएट शिक्षा अधिनियम-1921 के अध्याय-2 के विनियम-1 के परिशिष्ट %%क%% में स्थापित हाईस्कूल के सहायक अध्यापक एवं इण्टरमीडिएट प्रवक्ता पद के लिए विषयवार शैक्षिक अर्हता निर्धारित कर दिया गया है।

इसरो प्रमुख बोले- देश की सुरक्षा के लिए सैटेलाइट्स अहम, ऑपरेशन सिंदूर में ऐसे निभाई भूमिका

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को धूल चटाई और उस पर इतने भीषण हमले किए कि वो संघर्षविराम के लिए भारत से गुहार लगाए। ऑपरेशन सिंदूर में एक तरफ जहां सेना ने तीनों मोर्चे पर अभूतपूर्व पराक्रम दिखाया, वहीं देश के कई संस्थानों ने भी इसमें

अहम भूमिका निभाई।भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख वी. नारायणन ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सभी सैटेलाइट्स ने बिना किसी रुकावट के लगातार काम किया और सेना को जरूरी मदद पहुंचाई।%सैटेलाइट्स 24 घंटे काम और हर जरूरत को कर रहे थे पूरा उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सभी सैटेलाइट्स 24 घंटे बेहतरीन तरीके से काम कर रहे थे और हर जरूरत को पूरा कर रहे थे।% नारायणन ने बताया कि फिलहाल भारत के पास 58 सक्रिय सैटेलाइट्स कक्षा (ऑर्बिट) में काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लक्ष्य तय किया है कि अगले तीन साल में यह संख्या तीन गुना हो जाएगी। विज्ञापनआतंक के खिलाफ भारत का ऑपरेशन सिंदूर ऑपरेशन सिंदूर 7 मई 2025 को शुरू किया गया था। यह ऑपरेशन पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुरू हुआ, जिसमें 26 निर्दोष नागरिकों की मौत हुई थी। यह सेना का त्रि-सेवा (थलसेना, वायुसेना और नौसेना) संयुक्त अभियान था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के भीतर आतंकवादी ढांचे को ध्वस्त करना था। %देश की सुरक्षा के लिए सैटेलाइट्स का होना बहुत जरूरी% सरकार की तरफ से 14 मई को जारी एक आधिकारिक बयान में भी इसरो की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र किया गया था। इसमें कहा गया कि कम से कम 10 सैटेलाइट्स लगातार निगरानी के लिए काम कर रहे थे। इसरो प्रमुख ने कहा, %देश की सुरक्षा के लिए सैटेलाइट्स का होना बहुत जरूरी है। समुद्री तट और उत्तरी सीमाओं की निगरानी जारी- नारायणन उन्होंने आगे कहा- हमें अपने 7000 किलोमीटर लंबे समुद्री तट और उत्तरी सीमाओं की लगातार निगरानी करनी होती है। सैटेलाइट और ड्रोन तकनीक के बिना यह संभव नहीं है।% वी नारायणन के मुताबिक, इन सैटेलाइट्स की मदद से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। चंद्रयान-4 और चंद्रयान-5 मिशन पर काम कर रहा इसरो भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ढ्ढस्ह्र) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने मंगलवार को बताया कि संगठन चंद्रयान-4 और चंद्रयान-5 मिशन पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि 2028 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन %भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) का पहला मॉड्यूल कक्षा में स्थापित किया जाएगा और 2035 तक यह पूरी तरह तैयार होगा। नारायणन ने बताया कि अगले तीन साल में वर्तमान की तुलना में तीन गुना ज्यादा सैटेलाइट्स लॉन्च किए जाएंगे। साथ ही, मार्क-ढ्ढढ्ढ लॉन्चर की क्षमता 4000 किलोग्राम से बढ़ाकर 5100 किलोग्राम की जाएगी, वह भी बिना अतिरिक्त लागत के। गगनयान मिशन के तहत इस साल बिना चालक वाला मिशन लॉन्च होगा और 2027 की पहली तिमाही में मानवयुक्त मिशन भेजा जाएगा। दो भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और प्रशांत नायर को अमेरिका में प्रशिक्षण दिया गया है। नारायणन ने बताया कि प्रधानमंत्री के विजन के तहत 2040 तक भारत चंद्रमा पर लैंड करेगा और अंतरिक्ष कार्यक्रम दुनिया में शीर्ष स्तर पर पहुंचेगा।

नेपालगंज में उग्र प्रदर्शन से थम गई भारत-नेपाल व्यापार की रफ्तार, सीमा पर खड़े 200 ट्रक

नेपाल में बिगड़े हालात के चलते इसका असर व्यापार पर भी पड़ने लगा है। सीमा पर 200 ट्रक खड़े हैं। इनमें खाद्यान्न, पेट्रोलियम पदार्थ और घरेलू सामान लदा हुआ है।पड़ोसी बांके जिले के नेपालगंज शहर में मंगलवार सुबह से ही हालात बिगड़ गए। उग्र भीड़ और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़प और फायरिंग के बाद भारतीय सीमा पर असर दिखना शुरू हो गया है। रुपईडीहा बॉर्डर पर 200 से ज्यादा ट्रक खड़े हो गए हैं। इनमें खाद्यान्न, पेट्रोलियम पदार्थ और घरेलू सामान लदा हुआ है। वहीं नेपाल के भीतर गए सैकड़ों भारतीय वाहन अब तक वापस नहीं लौट पाए हैं।नेपालगंज की स्थिति बिगड़ने के बाद रुपईडीहा स्थित लैंड पोर्ट अथॉरिटी के दफ्तर के बाहर करीब 200 ट्रक खड़े कर दिए गए हैं। इनमें खाद्यान्न, पेट्रोलियम पदार्थ और

घरेलू सामान भरा हुआ है। सीमा पार जाने वाले वाहनों की रफ्तार थम गई है। केवल पेट्रोल और गैस के कुछ वाहन ही नेपाल प्रशासन की अनुमति और सेना की सुरक्षा में आगे भेजे जा रहे हैं।लगातार विरोध प्रदर्शनों और हिंसा के चलते नेपाल के कई शहरों में सड़कों पर तनाव है। इस कारण सामान लेकर नेपाल गए भारतीय ट्रक वहीं पर फंसे हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक, पिछले दो दिनों में रुपईडीहा से जो ट्रक नेपाल की ओर गए थे, उनमें से 150 से अधिक अब तक वापस नहीं लौट पाए हैं। ट्रक चालकों और व्यापारियों की चिंता बढ़ती जा रही है, क्योंकि न तो गाड़ियों की सुरक्षा की गारंटी है और न ही माल सुरक्षित पहुंचने का भरोसा। लैंड पोर्ट अथॉरिटी प्रबंधन सुधीर शर्मा का कहना है कि नेपाल की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। सुरक्षा और प्रशासनिक अधिकारियों से लगातार संपर्क बना हुआ हैं। पेट्रोलियम और गैस के वाहनों को प्राथमिकता के आधार पर भेजा जा रहा है। खाद्यान्न और अन्य सामान की आपूर्ति हालात सामान्य होने पर ही की जाएगी। रुपईडीहा में बन रहे बीरगंज के हालात खुफिया एजेंसियों के सूत्रों से पता चला कि नेपाल में तनाव के बाद अभी तक बीरगंज बॉर्डर पर लैंडपोर्ट कार्यालय का से आयात-निर्यात पूरी तरह रोका गया है, लेकिन मंगलवार सुबह से नेपालगंज शहर में शुरू हुए विरोध प्रदर्शन के बाद से सीमापार के हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। ऐसे में नेपालगंज में भी कर्फ्यू लगने की आशंका जताई जा रही है। केवल जरूरी पेट्रोलियम और गैस के टैंकर भेजे जा रहे भारतीय भूमि पत्तन कार्यालय के प्रबंधक सुधीर शर्मा ने बताया कि सीमा से जुड़े अधिकारियों के बीच लगातार बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा, कर्फ्यू की वजह से बीरगंज लैंडपोर्ट अथॉरिटी से कारोबार ठप है। हालांकि रुपईडीहा बॉर्डर पर भी सामान्य दिनों की तुलना में आवाजाही काफी कम हो गई है। नेपाल केवल जरूरी सामान को ही ले रहा है।

कैशलेस कार्ड बनने के बाद लाभार्थी संस्थानों में भी अपना उपचार नि:शुल्क करवा सकते हैं-मुख्य चिकित्साधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार / मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 एन0डी0 शर्मा ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री जी, उत्तर प्रदेश के मंशानुरूप प्रदेश सरकार के अधीन सभी सरकारी सेवकों/पेंशनर्स/सेवानिवृत कार्मिकों एवं उनके आश्रितों का पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के अन्तर्गत किसी भी सूचीबद्ध प्राइवेट चिकित्सालय में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की भांति पांच लाख रूपए तक के कैशलेस उपचार, एवं इसके अतिरिक्त जबकि सरकारी चिकित्सालय में असीमित धनराशि की कैशलेस उपचार की सुविधा प्रति वर्ष प्रति परिवार प्रदान किये जाने हेतु आयुक्त महोदय झाँसी मंडल झाँसी के द्वारा जनपदीय कोषाधिकारी कार्यालय में दिनांक 11 सितम्बर से 16 सितम्बर 2025 तक विशेष अभियान चलाकर सभी पात्रों के कैशलेश कार्ड बनाये जाने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के द्वारा स्वास्थ्य विभाग / समस्त अन्य विभाग के सरकारी सेवकों समेत पेंशनर्स /सेवानिवृत कार्मिकों एवं उनके आश्रितों का कैशलेस कार्ड बनाने के लिए विशेष अभियान के तहत कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पेंशनर विश्राम कक्ष, कोषाधिकारी कार्यालय में शिविर लगाने हेतु निर्देश दिए है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ एन डी शर्मा ने जानकारी दी कि आगामी 11-16 सितम्बर को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कोषाधिकारी कार्यालय में सरकारी सेवकों/पेंशनर्स के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जनपद में शेष बचे हुए समस्त पेंशनर्स/सेवानिवृत सरकारी कार्मिकों सहित उनके आश्रितों का पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस हेल्थ स्कीम के अंतर्गत स्वास्थ्य कार्ड बनाया जाएगा। इसके लिए विशेष तैयारी स्वास्थ्य विभाग की ओर से की गई है। कैशलेस कार्ड बनने के बाद लाभार्थी आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत आबद्ध प्रदेश के किसी भी निजी व राजकीय चिकित्सालयों के अतिरिक्त लखनऊ स्थित एसजीपीजीआई एवं केजीएमयू जैसे संस्थानों में भी अपना उपचार नि:शुल्क करवा सकते हैं, और वे चिकित्सा प्रतिपूर्ति के आवेदन एवं अन्य समस्या से छुटकारा प्राप्त कर सकते हैं। शिविर में पेंशनर्स अपने साथ निम्नलिखित दस्तावेज अवश्य लाएं- अपना आधार कार्ड, सभी अश्रितो का आधार कार्ड, मोवाइल ओटीपी के लिए आधार से लिंक मोबाइल नंबर, सभी आश्रितों का फोटो, पीपीओ नंबर, बैंक खाता संख्या विवरण, जैसे बैंक का नाम, अकाउंट नंबर, इ्फ्स्ष्ट कोड आदि। मुख्य कोषाधिकारी ने समस्त सरकारी सेवक/पेंशनर्स/सेवानिवृत सरकारी कार्मिकों को इस विशेष अभियान मे स्वयं उपस्थित होकर अपना कैशलेस हेल्थ कार्ड अवश्य बनवा लेने हेतु अनुरोध किया है, जिससे आवश्यकता अनुसार इसका उपयोग चिकित्सा सुविधा हेतु प्राप्त करने में किया जा सके।

राष्ट्रपति के दत्तक पंडो परिवार के बुजुर्ग की हार्ट अटैक से मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर जिले के चांदनी बिहरपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहरसोप में सोमवार को हृदयाघात से राष्ट्रपति के दत्तक पंडो जनजाति परिवार के वरिष्ठ सदस्य पूर्व बारुवाह

सोहग लाल पंडो (65 वर्ष) की मौत हो गई। इस घटना ने न सिर्फ पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया बल्कि क्षेत्र की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना कैसे हुई बताया जाता है कि सोहग लाल पंडो अपनी बेटी और दामाद के साथ बिहारपुर ग्रामीण बैंक जा रहे थे। रास्ते में अचानक उन्हें चक्कर आया और सड़क किनारे गिर पड़े। परिजनों ने तुरंत एंबुलेंस मंगाई और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को घर लाकर अंतिम संस्कार किया गया। ग्रामीणों में आक्रोश ग्रामीणों का कहना है कि यदि नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मोहरसोप चालू रहता तो समय रहते इलाज संभव था। लंबे समय से डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी हड़ताल पर हैं, जिसके चलते केंद्र पर ताला लटका रहता है। इससे ग्रामीणों को गंभीर बीमारियों या आपात स्थितियों में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। एक ग्रामीण ने बताया - 卐हमारे गाँव से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर की दूरी काफी है। ऐसे में अचानक किसी को हार्ट अटैक, साँप काटने या गंभीर स्थिति में तत्काल इलाज नहीं मिल पाता। यह आम आदमी की जान से खिलवाड़ है। स्वास्थ्य शिविर की जरूरत इस दर्दनाक घटना के बाद क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर की माँग जोर पकड़ रही है। ग्रामीण चाहते हैं कि प्रशासन नियमित रूप से शिविर आयोजित करे और बंद स्वास्थ्य केंद्र को तुरंत चालू कराया जाए। उनका कहना है कि यदि स्वास्थ्य सुविधाएँ बेहतर होतीं तो सोहग लाल पंडो जैसे अनगिनत लोगों की जान बच सकती थी। प्रशासन पर सवाल ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से कड़ा सवाल पूछा है कि जब स्वास्थ्य केंद्र बंद पड़े हैं और डॉक्टर-कर्मचारी हड़ताल पर हैं, तो आमजन की जिंदगी की सुरक्षा कौन करेगा? यह पहली बार नहीं है जब इलाज की कमी के कारण किसी ग्रामीण की मौत हुई हो। पुलिस को सूचना नहीं परिजनों ने इस घटना की सूचना पुलिस को नहीं दी, क्योंकि उन्होंने इसे प्राकृतिक मौत माना है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं, छात्र/छात्राओं को किया गया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती। मिशन शक्ति फेज-5 के तहत महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण व साइबर जागरूकता हेतु जनपद श्रावस्ती में व्यापक अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में शक्ति मोबाइल टीमों द्वारा शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर महिलाओं, बालिकाओं को साइबर सुरक्षा

उपायों, ऑनलाइन ठगी से बचाव, कानूनी अधिकारों और सरकारी योजनाओं व 1930 (साइबर हेल्पलाइन), 1090 (वीमेन पावर लाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 181 (महिला हेल्पलाइन), 1098 (बाल सहायता हेल्पलाइन), 101, 102 व 108 जैसी महत्वपूर्ण हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया तथा समय पर इनका सही उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। शक्ति मोबाइल टीम में तैनात महिला आरक्षी सरिता जायसवाल, म0आ0 प्रिया मिश्रा, म0आ0 मोनू सिंह, म0आ0 शांति शुक्ला द्वारा थाना क्षेत्र सिरसिया के ग्राम बभनी, ग्राम बेंचुआ, ग्राम जमुनी व उच्च प्राथमिक विद्यालय घोलिया में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, घरेलू हिंसा, बाल विवाह रोकथाम और बालिकाओं के अधिकारों आदि की जानकारी भी दी गई।

रामपुर सनेता गांव में एक व्यक्ति फांसी लगाकर झूला, मौके पर सीओ परमेश्वर प्रसाद पहुंचे की जांच पड़ताल

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार / कोंच(जालौन) कोतवाली क्षेत्र में ग्राम रामपुर सनेता गांव में एक व्यक्ति की लाश फांसी पर लटकती हुई मिली है और साथ में एक सुसाइट नोट भी मिला है इस घटना की खबर पर

लग गई मौके पर में जुट गई है मिली कोतवाली क्षेत्र के में मंगलवार को अपने मकान में रहते के फंदे पर लटकता लाश लटकती हुई और परिजनों रोने ने इस घटना की घटना स्थल पर भारी भीड़ पुलिस भी जांच पड़ताल जानकारी के अनुसार ग्राम रामपुर सनेता गांव कमलेश पुत्र स्व.रामसेवक है उनकी लाश घर में फांसी मिली है ।जब लोगो ने देखी तो हड़कंप मच गया चिल्लाने लगे और परिजनों सूचना स्थानीय कोतवाली पुलिस को दी सूचना पर पहुँची पुलिस ने घटना स्थल पर जाकर जब जांच पड़ताल की तो मौके से एक सुसाइड नोट भी घटनास्थल पर मिला है इस मामले को लेकर मृतक के परिजनों का आरोप है कि कमलेश ने आत्महत्या नहीं की बल्कि उसकी हत्या कर लाश को लटका दिया है उसके शरीर पर चोटों के निशान भी पाए गए हैं पुलिस ने लाश को अपने कब्जे में लेकर लाश को पोस्टमार्डम के लिये भेज दिया है इस मौके पर सीओ कोंच परमेश्वर प्रसाद ने बताया है कि उन्हें आत्महत्या किये जाने की सूचना पर हुई थी मौके पर जांच पड़ताल की गई है। और फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है जो मौके से साक्ष्य जुटाने का कार्य कर रही है और सुसाइड नोट को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कछवारी की पुलिया पर खतरे का साया – लापरवाही से कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर सूरजपुर। विकासखंड ओड़गी अंतर्गत ग्राम पंचायत रामगढ़ के आश्रित ग्राम कछवारी में ग्रामीण सड़क की पुलिया हादसे को न्योता दे रही है। पुलिया के नीचे से मिट्टी कटकर सुरंग बन जाने से इसका ढांचा पूरी तरह से खोखला हो चुका है। रोजाना स्कूली बच्चों, महिलाओं और ग्रामीणों को इसी रास्ते से गुजरना पड़ता है, जिससे हर पल उनकी जान खतरे में बनी हुई है। गौरतलब है कि यही सड़क मुख्य मार्ग से आंगनबाड़ी केंद्र और पंडोपारा को जोड़ती है। बरसात

में पुलिया के नीचे पानी बहने से इसकी नींव और भी कमजोर हो गई है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार भारी वाहन निकलते समय पुलिया हिलने जैसी स्थिति बन जाती है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों में आक्रोश ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत और जनपद स्तर पर कई बार शिकायत करने के बाद भी अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। लोगों का आरोप है कि अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की लापरवाही के कारण वे हर दिन मौत का सफर तय करने को मजबूर हैं। ग्रामवासियों ने स्पष्ट कहा है कि अगर जल्द पुलिया की मरम्मत नहीं कराई गई तो वे सड़क जाम और धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल संज्ञान लेकर कार्यवाही करने की मांग की है। स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौन ग्रामीणों ने बताया कि यह सड़क पंचायत द्वारा कुछ वर्ष पहले बनाई गई थी, लेकिन रखरखाव के अभाव में आज खतरनाक स्थिति में पहुँच गई है। चांदनी बिहारपुर क्षेत्र का यह मामला लंबे समय से अटका हुआ है। बरसात का पानी पुलिया की नींव को काटता रहा और महीनों बीत जाने के बावजूद पंचायत प्रतिनिधित्व द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की चुप्पी कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर कार्यशाला एवं दीक्षारम्भ संस्कार का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में दिनांक 09 सितम्बर 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला सह दीक्षारम्भ संस्कार 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत बिहारपुर की सरपंच श्रीमती फूलमती, नवनियुक्त जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री कालीचरण कांशी, आयुर्वेद अस्पताल बिहारपुर के डॉ. आशीष शर्मा, हायर सेकेंडरी विद्यालय बिहारपुर के प्राचार्य श्री नारायण प्रसाद शर्मा एवं श्री योगेश पटेल फार्मासिस्ट की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ

से स्वागत किया गया। स्वागत उद्बोधन में महाविद्यालय प्राचार्य ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की आवश्यकता, उसकी प्रासंगिकता तथा विद्यार्थियों के कौशल विकास और उज्जवल भविष्य निर्माण पर अपने विचार रखे। अतिथियों के उद्बोधन मुख्य अतिथि ग्राम सरपंच श्रीमती फूलमती ने विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा ग्रहण कर समाज में आदर्श प्रस्तुत करने की शुभकामनाएँ दीं। जनभागीदारी अध्यक्ष श्री कांशी ने विद्यार्थियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की प्रतिबद्धता जताई और एनईपी के बहुआयामी पक्षों को अपनाने की अपील की। डॉ. आशीष शर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा में आयुर्वेद के योगदान पर प्रकाश डाला। हायर सेकेंडरी प्राचार्य श्री नारायण प्रसाद शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए बनाई गई है, अत: विद्यार्थी अपने ज्ञान और कौशल से इसे सार्थक बनाएं। विशेष चर्चा एनईपी नोडल अधिकारी श्री धीरेन्द्र कुमार जायसवाल (सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बहुआयामी पक्षों पर बिंदुवार चर्चा करते हुए विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा इसके सैद्धांतिक, व्यवहारिक और प्रायोगिक पक्षों को स्पष्ट किया।संचालन एवं व्यवस्था कार्यक्रम का मंच संचालन सचिन मिंज (अतिथि व्याख्याता, इतिहास) ने किया। टेक्निकल कार्यों का दायित्व पिंटू गुप्ता (अतिथि व्याख्याता, समाजशास्त्र) ने संभाला, वहीं अनुशासन एवं अन्य व्यवस्थाएँ रामनिवास पटेल (अतिथि व्याख्याता, हिंदी) के मार्गदर्शन में संपन्न हुईं। उत्साहजनक उपस्थिति इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों और महत्व को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

सागर चौकी प्रभारी राजकुमार चौधरी ने चाकू के साथ गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) कोतवाली के सागर चौकी के प्रभारी राजकुमार चौधरी और उनके हमराही पुलिस कर्मी ने ग्राम हरदोई के पास से फिरोज खान पुत्र सत्तार निवासी ग्राम घंतोली थाना जालौन के कब्जे से एक अद्द नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार किया है पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा धारा 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज कर उसका चालान कर दिया

कछवारी आंगनबाड़ी केंद्र पर ताला, 10:44 बजे तक नहीं खुला दरवाज़ा – ग्रामीणों में आक्रोश, पंचनामा बनाकर उच्च अधिकारियों से की शिकायत

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर/चांदनी बिहारपुर। ग्राम पंचायत रामगढ़ आश्रित ग्राम कछवारी का आंगनबाड़ी केंद्र लगातार लापरवाही की भेंट चढ़ता जा रहा है। मंगलवार को सुबह 10~44 बजे तक केंद्र में ताला लटका हुआ पाया गया, जिससे बच्चों को पोषण आहार व शिक्षा संबंधी गतिविधियों से वंचित होना पड़ा। यह स्थिति यहां आम बात हो चुकी है और केंद्र समय पर न खुलना अब ग्रामीणों के लिए गंभीर समस्या बन गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने मनमर्जी से केंद्र खोलती हैं। समय पर केंद्र न खुलने से बच्चों का भविष्य प्रभावित हो रहा है और सरकारी योजनाओं का लाभ ज़रूरतमंदों तक नहीं पहुँच पा रहा है। आंगनबाड़ी की इस मनमानी से नाराज़ ग्रामीणों ने मंगलवार को सामूहिक रूप से पंचनामा तैयार कर हस्ताक्षर किए। इसमें ग्रामीण रामकुमार, जगमोहन, गुलाब, राम सुभग और राम प्रसाद शामिल रहे। पंचनामा को उच्च अधिकारियों तक भेजकर कड़ी कार्यवाही की मांग की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द ही आंगनबाड़ी केंद्र की लापरवाही पर रोक नहीं लगाई गई तो वे विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से अपील की है कि कछवारी समेत पूरे बिहारपुर क्षेत्र की आंगनबाड़ी व्यवस्थाओं की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि बच्चों और महिलाओं को उनका अधिकार समय पर मिल सके।

नाली व इंटरलॉकिंग निर्माण में मानकों की उड़ाई जा रही धज्जियां

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती। विकासखंड हरिहरपुररानी के अंतर्गत लक्ष्मणपुर कोठी में नाली व इंटरलाकिंग के निर्माण में मानकों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। निर्माण कार्य मे राप्ती नदी का बालू व पीले ईट का प्रयोग किया जा रहा है। ऐसे में ग्रामीणों का कहना है कि नाली जल्द ही टूट जाएगी। वहीं इंटरलॉकिंग में रोड़े नहीं छोड़े जा रहे हैं केवल

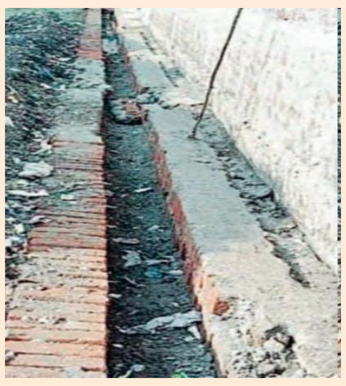

मिट्टी डालकर इंटरलॉकिंग लगाई जा रही है। मानक विहिन इंटरलाकिंग व नाली के निर्माण को लेकर समाजसेवी नफीस खान ने सरकारी धन दुरुपयोग का आरोप लगाया है। उन्होंने डीएम अजय कुमार द्विवेदी से मांग किया है कि ग्राम पंचायत में कराए जा रहे निर्माण कार्य की जांच उच्च अधिकारियों से कराई जाए। ताकि सरकारी धन के दुरुपयोग को रोका जा सके। इसके साथ ही उन्होंने मानक विहीन कार्य कराने वाली कार्यदायी संस्था के विरुद्ध कार्यवाही की मांग किया है। इस सम्बंध में जानकारी लेने के लिए ग्राम प्रधान को फोन किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। वहीं बीडीओ हरिहरपुररानी ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं था। आपके माध्यम से जानकारी हुई है। जांच कराकर उचित कार्रवाई की जाएगी।

70वीं वाहिनी की शानदार जीत – तृतीय वाहिनी को हराकर सेमीफाइनल में धमाकेदार एंट्री

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती 62वीं वाहिनी मुख्यालय भिनगा स्थित छत्रपति शिवाजी मैंदान में चल रही अंतर वाहिनी फुटबॉल प्रतियोगिता के क्रम में आज 09 सितम्बर 2025 को एक महत्वपूर्ण मुकाबला खेला गया। आज के मैच में 70वीं वाहिनी और तृतीय वाहिनी आमने-सामने हुईं। शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला, परंतु अंतत: 70वीं वाहिनी ने शानदार खेल दिखाते हुए तृतीय वाहिनी को 4-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। इससे पूर्व 62वीं वाहिनी, 59वीं वाहिनी और 42वीं वाहिनी पहले ही सेमीफाइनल में पहुँच चुकी हैं। अब सेमीफाइनल में 70वीं वाहिनी, 62वीं वाहिनी से तथा 42वीं वाहिनी, 59वीं वाहिनी से भिड़ेगी द्य इस मैच के दौरान खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल भावना का प्रदर्शन किया और दर्शकों ने जोरदार उत्साह के साथ खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया।

How many types of nail extensions are there? Know about it before spending money

Nowadays women get nail extensions to enhance the beauty of their nails. If you also have such a plan, then first know its types. Beautiful, long and attractive nails are the desire of every woman. But sometimes when the growth of natural nails is slow or weak, then this dilemma comes up that what to do so that the nails look beautiful. At such times, nail extension becomes a great option. In today's time, nail extension is not just a fashion, but has become a part of personality and grooming. Now many types of nail extensions have started coming in the market, about which you may not know. So if you also want to make your nails beautiful, then before getting nail extensions, it is very important to know about its types, their features and care methods. Acrylic nail extension When the trend of nail extension was new, then acrylic nails were the first to spread their craze among women. This is the oldest and most popular method. Nails are made beautiful by mixing powder and liquid in it. It is strong and long-lasting, due to which it easily lasts for two to three weeks. Gel nail extension Women like this type of nail extension the most. It looks natural and also lasts for a long time. It is set with the help of UV and LED light. For this, a special type of gel is available in the market, with which the extension is done. Women get it done once because it easily lasts for 25-30 days. Fiberglass nail extension Women who like light and flexible nails prefer to get fiberglass nail extensions. These damage your real nails very little. After applying it, the look becomes very natural. These also easily last for three to four weeks. Press on nails For women who do not have time to go to the parlor, but want to make their nails beautiful, then these press on nails are very useful for them. It can be applied at home by yourself. Press-on nails are available in the market in numerous colors and designs at very low prices. This is a very cheap and easy solution, so they last for a limited time.

The secret of your beauty is hidden in the kitchen, these spices will make your face spotless

If you also want to get glowing skin sitting at home, then take a look at the spice box in the kitchen. Some spices kept in it will make your skin glow. If you also want to get glowing skin sitting at home without going to the parlor and without using expensive beauty products, then you must take a look at the spice box in your kitchen. Yes, the spices used daily in your kitchen not only enhance the taste of food, but they can also play an important role in enhancing the beauty of your skin. Many spices kept in the kitchen are rich in antioxidant, anti-bacterial and anti-inflammatory properties which help in removing problems like acne, freckles, tanning and dark spots. In this article, we will tell you about the beauty benefits of some such household spices and their methods of use, so that you can get natural glowing skin sitting at home. Turmeric - There may or may not be anything in every Indian kitchen, but turmeric is definitely there. It is antiseptic and anti-bacterial, so it is used to remove acne and blemishes from the face. Turmeric is mixed with gram flour and curd to make a face pack, which works to brighten the skin. Cinnamon- Cinnamon, which improves health, also helps in bringing glow on the face. For this, a mask is prepared by mixing it with honey. The use of cinnamon improves the blood circulation of the skin, which helps in bringing glow on the face. You will also get this easily. Fenugreek- It is quite bitter to eat, but it is considered very good for the skin. Especially for those who have oily skin, it is a panacea, because fenugreek seeds work to reduce wrinkles and fine lines. It is used after soaking it overnight, this makes it more effective. Black pepper- If you have black pepper in your spice box, then you can also use it on your face. Actually, black pepper is considered helpful in removing blackheads. It deep cleans the skin. You can make your face glow by using it as a scrub. Cloves- If you are having a lot of acne and infection on your face, then use cloves. Its oil is considered very beneficial especially for acne. In such a situation, you can use it as oil or face pack. This will also make your face glow.

Going on a two-day trip to Jaisalmer? Know how and where to visit in a low budget

The most important thing is that you can plan it beautifully even in a low budget. From Delhi to Jaisalmer, travel, places to visit, food and drink to accommodation and expenses, you will find everything here. You want to go for a trip but this month many cities are facing the brunt of the weather. Sometimes there is heavy rain, storm, sometimes cloudburst and floods are being seen. In such a situation, many tourist places are affected. But you can travel to a place in September, October, which is most suitable to visit in this season. You can plan a budget trip to Jaisalmer in a vacation of two to three days. Jaisalmer is that city of Rajasthan which is called "Golden City". You can go on a trip here with friends, especially for girls, Jaisalmer is a beautiful place to experience. The most important thing is that you can plan it beautifully even in a low budget. From Delhi to Jaisalmer, you will find everything here, from travel, places to visit, food and drink to accommodation and expenses. When should one visit Jaisalmer? The time from October to March is ideal to visit Jaisalmer. During this time the weather remains cool and comfortable. On the other hand, in summers, especially in May-June, the temperature here reaches 40-50 degrees Celsius, so avoid going to Jaisalmer in summer. This time in September there is less heat and more rain. In such a situation, this can also be a good time to visit Jaisalmer. However, for a more fun experience, it would be better to plan the trip after October. How to go to Jaisalmer from Delhi? Jaisalmer is very close to the capital Delhi. If you are starting your journey from Delhi, then direct trains are available to Jaisalmer. Ranikhet Express and Jaisalmer Express are the best options. Sleeper class tickets in the train can be found from Rs 450 to 550 and 3 AC from Rs 1200 to 1500. Volvo buses also run from Delhi to Jaisalmer, the fare of which can be between Rs 1200 to Rs 1800. For flight travel, there is a direct flight from Delhi to Jaisalmer Airport. The flight fare will be around Rs 4000 to Rs 6000. Where to visit in Jaisalmer? Visit the famous tourist places of Jaisalmer in a two-day trip. Start from Jaisalmer Fort. Entry here is free. However, guides can charge Rs 200 to 300. Then you can go to see Patwon Ki Haveli. This place is an example of latticed windows and grand architecture. The entry fee of Patwon Ki Haveli is Rs 50. In the evening, you can go to see the sunset at Gadisar Lake. Here you can also enjoy boating for Rs 20 to 50. If you want to shop, visit the local market, where do not forget to buy silk dupattas, Rajasthani jewellery and Kantha bags. Second day in Jaisalmer The next day you can go to visit the desert of Jaisalmer. Enjoy camel safari in the sand dunes. You may have to spend 300 to 500 rupees for this. Jeep safari can also be enjoyed for 1500 to 2000 rupees. Apart from this, you can enjoy folk music, dance and Rajasthani dinner in the desert camp. Here you may have to spend 1200 to 2000 rupees for a tent per person. If you want to do something exciting, visit Kuldhara village. This is a village with haunted and mysterious stories, where the ticket costs 20 rupees. Where to stay in Jaisalmer? To visit Jaisalmer on a budget, you can stay in a hostel or guest house. Its rent can be 400 to 700 rupees per night. If you want to feel the splendor and grandeur, you can go to stay in heritage mansions. You may have to spend 1500 to 2500 rupees per night. One night package of desert camp stay can be booked for 1800 to 2500 rupees, in which you will get a chance to enjoy dinner and cultural program. The total cost of Jaisalmer is about 5000 to 7000 rupees. The two-day Jaisalmer girls trip can be completed in about 5000 to 7000 rupees. If you are traveling from Delhi, then the train fare for to and fro will be between 1000 to 3000 rupees. The cost of living here can be 1200 rupees to 2000 rupees and food and drinks can cost 800 to 1200 rupees. The cost of sightseeing and safari can be 1000 to 2500 rupees.

Radhika Apte's 40th birthday is today, she won hearts with great films like 'Andhadhun' and 'Padman'

Radhika Apte is known for her brilliant acting and outspoken style. Today is her 40th birthday. Radhika Apte always remains in the hearts of fans for her outspokenness, hard work and brilliant acting. Today on 7 September, she is celebrating her 40th birthday. On this special occasion, know things related to her career.. Radhika was born on 7 September 1985 in a Marathi family in Vellore, Tamil Nadu. Her father Dr. Charudutt Apte is a neurosurgeon and has been the chairman of Sahyadri Hospital in Pune. Radhika completed her studies in Mathematics and Economics from Ferguson College, Pune. Radhika married British musician Benedict Taylor in 2013. The two met in London in 2011, when Radhika was learning contemporary dance there. Her married life has been very private. She likes to keep it away from the limelight. Last year (2024), Radhika became a mother and shared a glimpse of her daughter with fans on social media. Radhika's great films Radhika started her career in 2005 with the film 'Wah! Life Ho To Aisi'. She played a small role in this film. After this, she worked in Hindi, Tamil, Marathi, Telugu, Bengali and Malayalam films. Some of her famous films are 'Andhadhun', 'Padman', 'Manjhi', and 'Phobia'. Apart from this, she also appeared in web series like 'Sacred Games', 'Lust Stories' and 'Monica O My Darling'. Started her career from theatre Radhika started her career from theatre and never took financial help from her family. In the early days, she used to live in a sharing room and travel by bus to save money. Her hard work and talent gave her a special place in the industry. Recently, she is in the news for her film 'Saali Mohabbat' and the third season of 'Lust Stories'. Apart from this, Radhika is now also entering the world of direction, which is further increasing her versatility. Radhika got awards for these films and series Radhika Apte has been selected for an international Emmy nomination for 'Lust Stories' and Palm Springs Shortfest for 'The Sleepwalkers'. Apart from this, her films like 'Perched', 'Phobia' and 'Sacred Games' earned her many critical acclaim and in some cases nominations for awards. Lust Stories 'Lust Stories' is an anthology film showing four different stories. It is directed by Anurag Kashyap. Radhika's character received a lot of appreciation. For her performance in this film, she received a nomination for the International Emmy Award. 'The Sleepwalkers' 'The Sleepwalkers' is a short film. With which Radhika Apte made her directorial debut. The film featured Gulshan Devaiah and Shahana Goswami in the lead roles. The film was selected in the Best Midnight Short category at the Palm Springs International Shortfest 2020. 'Parched' 'Perched' is a Hindi film directed by Leena Yadav. In this film, Radhika Apte plays the character of a rural woman. Who fights for her freedom against social constraints and patriarchal system. Tannishtha Chatterjee and Surveen Chawla are also with her in the film. The film was praised at many international film festivals and Radhika's acting was particularly praised. The film has won awards at many festivals. 'Phobia' 'Phobia' is a psychological thriller film. In this film, Radhika Apte played the role of a woman who suffers from agoraphobia. Radhika's acting in this film was highly appreciated. This film received praise at many film festivals. 'Sacred Games' 'Sacred Games' was released on Netflix. In this film, Radhika Apte played the role of a RAW agent named Anjali Mathur. This is a crime thriller series, in which Saif Ali Khan and Nawazuddin Siddiqui also played lead roles. Radhika's character in this series was well-liked. It was appreciated at many award shows.

After acting, now Aamir Khan showed his singing talent, video went viral on social media

A video of Bollywood actor Aamir Khan singing is going viral on social media in which he is seen singing a raga. Bollywood's Mr. Perfectionist Aamir Khan often stays in the headlines for his films, performances and statements. But this time he is in the news not because of his acting or any film, but because of his singing. Recently, a video of him surfaced on social media in which Aamir Khan is seen spreading the magic of tunes. As soon as this video went viral, fans filled the comment section with heart emojis and praises. Aamir sang video in the event This video of Aamir Khan has surfaced from the event of singing legend Suresh Wadkar's music academy. In this, Aamir is seen in casual dress and is singing a raga along with a singer. Fans' reaction on the video After watching this video of Aamir, many people praised him. Heart emojis were made on his video. Apart from this, another video related to Aamir is making a lot of headlines on social media these days. Speculations of the three Khans coming together Meanwhile, another video has created a sensation on the Internet. In this, three vanity vans are seen standing on the set on which the names of Shahrukh, Salman and Aamir Khan were written. The person making the video says - 'Tino saath mein... which movie is it brother?' After this, speculations intensified whether the unfulfilled wish of the fans for decades is going to be fulfilled and the three Khans will share the screen together. However, it is not yet clear whether this video is old or new. Guest appearance in Aryan Khan's web series? According to reports, a glimpse of Salman, Shahrukh and Aamir Khan can be seen in Shahrukh Khan's son Aryan Khan's web series 'The Bads of Bollywood'. There is talk that Shahrukh will play his own character and will also give the voice of the narrator. At the same time, Salman and Aamir will make cameo appearances. After this update, the excitement among the fans has increased even more.

Rashi Khanna finished shooting for 'Telusu Kada', said- Thank you to the team who was with me in this journey

Rashi Khanna is in the news these days for her upcoming film 'Telusu Kada'. The actress has finished shooting for this film, which she has informed through a post. The shooting of Sidhu Jonalagadda and Rashi Khanna's upcoming film 'Telus Kada' is now over. The actress has given this information through her social media and thanked all the crew members. The actress has also shared some pictures during the shooting. Shared pictures from the shooting set Rashi Khanna has shared some pictures on her Instagram, in which she is seen shooting for her upcoming film 'Telusu Kada'. The actress has shared five pictures, in which she is seen in different styles. Also, she is seen understanding the scene and performing it and a confluence of camera, lights and action is seen in it. Thanking the crew members, Raashi Khanna wrote in the caption of the post, 'Some stories do not end just like that after the camera is turned off, 'Telusu Kada' is one of them. Today I end the journey of love, loss and everything in between. I will always be grateful to the best team that walked with me in this journey. I am eagerly waiting for all of you to step into this world that we have created. All of you be ready for an exciting journey.' About the film 'Telusu Kada' Along with Sidhu Jonalagadda, Raashi Khanna and Srinidhi Shetty will also be seen playing important roles in the film 'Telusu Kada'. Talking about the story of the film, this film will talk about many social aspects including family, friendship, self-love, sacrifice. It is being directed by Neeraja Kona. Also, the film has been edited by Srikar Prasad. Musician Thaman's tunes will be heard in 'Telusu Kada'.